सितम्बर 2001 से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI/DELHIN 2000/48/49, RNI Code : DELHIN11167

रुस्तम-ए-हिन्द

समस्त विश्व में प्रसारित राष्ट्रीय E- समाचार पत्र
https://rehnews.com/rustam-e-hind-e-paper
सामने हो तोप तो अखबार निकालो कलम को अपना हथियार बनालो

वर्ष - 23 | अंक -6 | दैनिक | दिल्ली | मंगलवार 10 सितंबर 2024 | पृष्ठ - 08 | मूल्य : 1.50पैसे

दैनिक 23 वर्षों से दिल्ली से प्रकाशित, समस्त विश्व में प्रसारित
RNI Code: DELHIN11167, IB Ministry Govt of India
रुस्तम-ए-हिन्द
सामने हो तोप तो अखबार निकालो, कलम को अपना हथियार बनालो
हिंदी समाचार पत्र

E-Paper
रुस्तम-ए-हिन्द मीडया हॉउस से जुड़ने और
विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें 9213247209
bharatbachao9@gmail.com
rustamehindhindinews@gmail.com
REH NEWS

सिख न सिख को मारे, तो कौम कभी न हारे।

- नई दिल्ली से सरदार चरणजीत सिंह की सनसनीखेज रिपोर्ट।
- सिंह सभा विकासपुरी गुरुद्वारा साहिब के प्रबंधक और मुख्य ग्रंथी गुरु के लाल होने का फर्ज क्यों नहीं निभा रहे हैं ?
- विस्तृत गुप्त मौखिक सूचना के आधार पर सनसनीखेज खुलासा।

जहां एक ओर गुरुघर का सिद्धांत है सो क्यों मंदा अखिये जित जम्मे राजान÷, वहीं दूसरी ओर, जहां शहीदों के सरताज पंचम गुरु, गुरु अर्जुन देव जी महाराज, औरत के 36 चरित्रों का उल्लेख श्री गुरु ग्रंथ साहिब में ना दर्ज़ करने के कारण मुग़ल बादशाह जहांगीर द्वारा अनेक यातनाएं देकर शहीद किए जाते हैं, उन्हीं की विरासत को संभालने वाले गुरुघर में सेवारत लोग किसी बच्ची के साथ अति घिनौना काम करें और उसका वीडियो भी बनाएं–ऐसे लोगों को कौन सी सजा मिलनी चाहिए, यह न्यायालय ही नहीं, क्षेत्र की संगत को भी निर्धारित करनी चाहिए थी। कोर्ट में जाकर न केवल गुरुघर की बहुत बदनामी हुई है, बल्कि संगत का दसवंद, जो गुरु की आज्ञा अनुसार गुरु की गोलक गरीब का मुख होना चाहिए, अब गुरु की गोलक वकील का मुख बन गया है। प्रबंधकों की यह भी गलती है कि सिंह सभा गुरुद्वारा साहिब के प्रबंधक क्षेत्रीय सिख संगत की अनेक बार की मांग के बावजूद 70 महीनों से हिसाब नहीं दे रहे हैं। विपक्षी दल के सिख राजनेता एक गंभीर मामले को लेकर न्यायालय की शरण में पहुंच चुके हैं, जिसका खुलकर उल्लेख नहीं किया जा सकता है क्योंकि मामला कोर्ट के विचाराधीन है। हालांकि, जबरन कुछ सेवादारों को निकालने के कारण ही सेवादार लेबर कोर्ट में अपनी मांगों को लेकर गए थे। सेवादारों को पैसा या रोजगार तो नहीं मिला, लेकिन लाखों रुपये कानूनी विवाद में खर्च कर दिए गए हैं। कहते हैं, ÷जब गीदड़ की मौत आती है, तो वह शहर की ओर भागता है।÷ प्रबंधकों ने खुद ही कम उम्र की लड़की की विवादित वीडियो न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया, जो उनके लिए ही भारी पड़ गई। प्रबंधकों ने अपने आप को बचाने के लिए एक नामी महंगा वकील किया, जिसकी फीस गुरु घर की संगत के दसवंद से दी गई। सिख जगत सेवा और सिमरन में बहुत उच्च स्थान रखता है, लेकिन जब कुछ भेषधारी मसंद गुरु घर पर कब्जा कर लेते हैं और उसे अपनी निजी संपत्ति समझने लगते हैं, तो असली विवाद उत्पन्न होता है। यह मामला पहले पुलिस और अब जिला कोर्ट तक पहुंच चुका है। माननीय न्यायालय के संज्ञान में सभी कुछ स्पष्ट सबूतों के साथ प्रस्तुत किया गया है, लेकिन अपनी मर्यादा के कारण हम सब कुछ साफ़-साफ़ नहीं लिख सकते।

विकासपुरी की सिख संगत से अपील है कि वर्तमान प्रबंधकों को उनके पदों से हटाकर नई कमेटी को सेवा संभाल की जिम्मेदारी दी जाये। इसलिए सभी संगत से अपील है कि प्रबंधकों और स्टाफ का पूर्णतय बहिष्कार करें और एक नई कमेटी तथा टकसाली स्टाफ को चुना जाए, ताकि गुरु घर के दोषियों को सामाजिक रूप से निष्कासित किया जा सके और महिलाओं व बच्चों के जीवन पर कोई बुरा असर न पड़े। इस रिपोर्ट की विस्तृत जानकारी लगातार पाठकों के आगे अगले अंकों में भी प्रकाशित की जाएगी।

कोलकाता रेप-मर्डर केस

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ड्यूटी पर तुरंत लौटें डॉक्टर

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप–मर्डर केस में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने तीन मुद्दों – सीबीआई जांच रिपोर्ट, डॉक्टरों की हड़ताल और सीआईएसएफ जवानों की सुविधाओं पर सुनवाई की। सीबीआई की स्टेटस रिपोर्ट में कई बातें सामने आईं। कोर्ट ने कहा कि, एफआईआर में 14 घंटे की देरी हुई है। वहीं कुछ जरूरी दस्तावेज भी गायब हैं। ऐसे में मामला गड़बड़ लगता है। कोर्ट ने राज्य सरकार को मिसिंग डॉक्यूमेंट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया। वहीं हड़ताल को लेकर कोर्ट ने डॉक्टरों से तुरंत काम पर लौटने को कहा है। सीजेआई ने कहा, अगर मंगलवार शाम 5 बजे तक डॉक्टर ड्यूटी पर नहीं लौटे तो उनके खिलाफ राज्य सरकार को कार्रवाई करने से नहीं रोका जा सकता। डॉक्टरों का पेशा ही मरीजों की सेवा करना है। मामले में अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

मणिपुर राजभवन पर पथराव, 20 घायल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर की राजधानी इंफाल में सोमवार को सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स ने राजभवन पर पत्थरबाजी की। इस दौरान सुरक्षाकर्मी भागते दिखे। पुलिस और सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड लगाकर रोका। कई राउंड आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट दागे। इसमें 20 स्टूडेंट्स घायल हो गए। मैतेई समुदाय के ये छात्र मणिपुर में अचानक बढ़ी हिंसक घटनाओं को लेकर 8 सितंबर से प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें स्थानीय लोग भी शामिल हैं। रविवार को किशमपट के टिडिम रोड पर 3 किलोमीटर तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी राजभवन और सीएम हाउस तक पहुंच गए।

सूरत में गणेश पंडाल पर पथराव, जमकर हुई हिंसा

सुबह आरोपियों के अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर, अब तक 33 गिरफ्तार

सूरत (एजेंसी)। गुजरात में सूरत के सैयदपुरा मोहल्ले में रविवार रात गणेश पंडाल पर पथराव करने वाले आरोपियों के खिलाफ सरकार ने कार्रवाई शुरु कर दी है। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे इलाके में कई आरोपियों के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलवा दिया गया।

बता दें, रविवार देर रात 6 युवकों ने पंडाल पर पथराव किया था। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद आरोपियों के घरवाले सैकड़ों लोगों के साथ प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया। इलाके में देर रात तक जमकर हिंसा हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े। इस मामले में 28 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सोमवार सुबह से स्थिति नियंत्रण में है।

कालिंदी एक्सप्रेस पलटाने की साजिश

ट्रैक पर सिलेंडर से टकराई ट्रेन, पेट्रोल-बारूद मिला

6 संदिग्ध हिरासत में, जमातियों की जांच

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में एक बार फिर ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की गई। अनवर-कासगंज रूट पर रविवार देर शाम यह घटना हुई। कालिंदी एक्सप्रेस ट्रैक पर रखे सिलेंडर से टकरा गई। सिलेंडर फटा नहीं और ट्रेन से टकराकर ट्रैक के किनारे गिर गया।

कालिंदी एक्सप्रेस के लोको पायलट ने तुरंत सीनियर अफसर को सूचना दी। घटना के बाद आरपीएफ,जीआरपी और रेलवे के सीनियर अफसरों ने जांच की। सोमवार सुबह आईबी, एसटीएफ, एटीएस और एनएआई ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी।

ट्रैक से सिलेंडर के अलावा, बोतल में पेट्रोल, माचिस, एक मिठाई का डिब्बा और झोला मिला है। झोले में बारूद जैसा पदार्थ पाया गया। आरपीएफ ने कहा कि आतंकी साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता।

बीजेपी ऑफिस में बम धमाके की थी साजिश, बेंगलुरु कैफे ब्लास्ट में एनआईए की चार्जशीट में बड़ा खुलासा

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के रमेश्वरम कैफे में हुए बम धमाके के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने चार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट में चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। एनआईए की जांच में पता चला कि आरोपियों को बेंगलुरु में हिंसा की अलग-अलग घटना को अंजाम देने के लिए क्रिप्टोकरेंसी के जरिए पैसे मिले थे। चार्जशीट में कहा गया है कि आरोपियों ने 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन बेंगलुरु में कर्नाटक बीजेपी कार्यालय में बम ब्लास्ट का प्लान बनाया था। हालांकि वह सफल नहीं हो पाया। इसके बाद दो प्रमुख आरोपियों ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट की योजना बनाई थी। ये धमाका इसी साल मार्च में हुआ था। एनआईए ने अपनी जांच में पाया है कि ये धमाका आईएसआईएस से जुड़े आतंकियों ने किया था। आरोपियों ने बिटकॉइन के जरिए फंडिंग भी हासिल की थी।

सीएम ममता बोलीं

रेप विक्टिम के पेरेंट्स को पैसा नहीं ऑफर किया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार (9 सितंबर) को ममता बनर्जी ने स्टेट सेक्रेट्रिएट नबन्ना में रिव्यू मीटिंग के दौरान कहा कि उन्होंने मृतक ट्रेनी डॉक्टर के माता–पिता को कभी पैसा ऑफर नहीं किया। इसके अलावा उन्होंने केंद्र के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि हम सीआईएसएफ की सभी जरूरतें पूरी कर रहे हैं।

बिहार में राजनीतिक हलचल

जेडीयू-भाजपा नेताओं की मुलाकात ने बढ़ाई सियासी गर्मी, क्या जल्द ही होगा मंत्रिमंडल विस्तार?

पटना (एजेंसी)। बिहार में इन दिनों लगातार राजनीतिक समीकरण साधे जा रहे हैं। एक तरफ जहां आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोकामा के लोकसभा सांसद ललन सिंह के साथ जाकर पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह से मुलाकात की। वही आज बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा से बंद कमरे में करीब आधे घंटे मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद दोनों के चेहरे खिले हुए नजर आए। जिससे इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों के बीच जो आपसी सहमति बनी है, वो अपने अंजाम तक पहुंचाने के करीब है।

अडानी ने बनाई नई कंपनी, अब चीन में बजेगा डंका

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी समूह ने सप्लाई चेन सॉल्यूशन और परियोजना मैनेजमेंट सेवाएं देने के लिए चीन में एक सब्सिडियरी कंपनी बनाई है। समूह ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने कहा कि सिंगापुर स्थित उसकी सब्सिडियरी कंपनी की सब्सिडियरी ने दो सितंबर, 2024 को चीन के शंघाई में स्थित एक पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी अडानी एनर्जी रिसोर्सेज (शंघाई) कंपनी (एईआरसीएल) का गठन किया है। कंपनी ने, एईआरसीएल का गठन आपूर्ति श्रृंखला समाधान और परियोजना प्रबंधन सेवाएं देने का व्यवसाय करने के लिए किया गया है। इस सहायक कंपनी को अडानी ग्लोबल पीटीई (एजीपीटीई), सिंगापुर ने गठित किया है, जो अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की अनुषंगी की अनुषंगी कंपनी है। एईएल खनन, सड़क, हवाई अड्डे, डेटा सेंटर और जल अवसंरचना व्यवसाय से जुड़ी है। सूचना के अनुसार, एईआरसीएल को दो सितंबर, 2024 को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के कंपनी कानून के तहत गठित और पंजीकृत किया गया है। एईआरसीएल ने अभी तक अपना व्यावसायिक संचालन शुरू नहीं किया है। बता दें कि हाल ही में खबर मिली है कि अडानी समूह इजराइल की एक कंपनी के साथ मिलकर महाराष्ट्र में कुल 83,947 करोड़ रुपये (10 अरब डॉलर) के निवेश से एक सेमीकंडक्टर विनिर्माण प्लांट लगाने जा रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने उच्च-प्रौद्योगिकी वाली चार विशाल परियोजनाओं को मंजूरी दी है जिनमें अदाणी समूह की टावर सेमीकंडक्टर के साथ साझेदारी वाली परियोजना भी शामिल है। इन परियोजनाओं में कुल 1.17 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है और करीब 29,000 रोजगार अवसरों का सृजन होगा।

कोटक महिंद्रा बैंक ने ओटीएस को दी मंजूरी, पीसी ज्वैलर के शेयर उछले

नई दिल्ली, एजेंसी। पीसी ज्वैलर के लिए राहतभरी खबर है। कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने बकाया के एकमुश्त निपटान यानी को मंजूरी दे दी है। इस खबर के बाद पीसी ज्वैलर का शेयर आज सुबह के कारोबार में करीब 5 प्रतिशत उछलकर 129.26 रुपये पर पहुंच गया। यह तेज तेजी कंपनी द्वारा रविवार को यह घोषणा करने के बाद आई है। रेगुलेटरी फाइलिंग में पीसी ज्वेलर ने बताया कि कोटक महिंद्रा बैंक ने 7 सितंबर, 2024 को एक ई-मेल के माध्यम से, कंपनी द्वारा प्रस्तुत वन टाइम सेटलमेंट प्रस्ताव की स्वीकृति से अवगत कराया है।

दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में एप्पल पहले स्थान पर

▶▶ टॉप-10 कंपनियों में ज्यादातर कंपनियां अमेरिका की हैं ▶▶ फोर्ब्स की इस लिस्ट में टॉप-10 में भारत की कोई भी कंपनी नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। जब भी दुनिया के सबसे अमीर लोगों का नाम आता है तो उसमें एलन मस्क, जेफ बेजोस, मार्क जकरबर्ग, मुकेश अंबानी, गौतम अडानी आदि का नाम आता है। लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि दुनिया की सबसे ज्यादा मार्केट कैप वाली कंपनियों के मालिक इनमें से बहुत कम हैं। दुनिया के सबसे अमीर शख्स की कंपनी का मार्केट कैप टॉप 10 कंपनियों में भी नहीं है। बात जब भी दुनिया की टॉप-10 कंपनियों की आती है तो उनमें अमेरिका का नाम सामने आता है। ठीक उसी प्रकार जैसे दुनिया के टॉप-10 सबसे अमीर लोगों में भी अमेरिकी ही छाए हुए हैं।

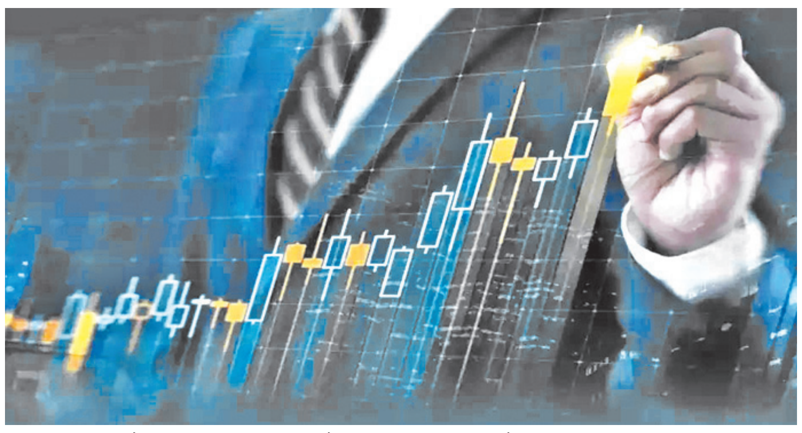

10 में से 8 कंपनियां अमेरिका की

फोर्ब्स के मुताबिक सबसे ज्यादा मार्केट कैप के मामले में दुनिया की टॉप-10 कंपनियों में टॉप-5 कंपनियां अमेरिका की हैं। हालांकि टॉप-10 में तीन और कंपनियां अमेरिका की हैं। इस प्रकार मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में 8 कंपनियां अमेरिका की हैं। ऐसे में कह सकते हैं कि दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में अमेरिका पहले स्थान पर है। अब आप सोचेंगे कि टॉप-10 में क्या भारत की कोई कंपनी नहीं है? तो आप सही सोच रहे हैं। फोर्ब्स की लिस्ट में टॉप-10 मूल्यवान कंपनियों में भारत से कोई भी कंपनी नहीं है।

टॉप-5 में ये कंपनियां हैं शामिल

फोर्ब्स की लिस्ट के मुताबिक टॉप-10 में से टॉप-5 कंपनियां अमेरिका की हैं। इसमें पहले नंबर पर एप्पल है। आईफोन समेत कई गैजेट्स बनाने वाली यह कंपनी टेक्नॉलजी सेक्टर में काम करती है। इस कंपनी का इस कंपनी का मार्केट कैप 3.36 लाख करोड़ डॉलर है। वहीं दूसरे नंबर पर बिल गेट्स की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट है। यह कंपनी भी टेक्नॉलजी सेक्टर से जुड़ी है। इसका मार्केट कैप करीब 3 लाख करोड़ डॉलर है। तीसरे नंबर पर ब्लू चिप बनाने वाली कंपनी एविडिया है। इसका मार्केट कैप 2.63 लाख करोड़ डॉलर है। चौथे नंबर पर एल्फोबेट्स (गूगल) है। इसका मार्केट कैप 1.94 लाख करोड़ डॉलर है। 5वें नंबर पर ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन है। इसका मार्केट कैप 1.87 लाख करोड़ डॉलर है।

टॉप-10 में इस देश की कंपनियां भी शामिल

टॉप-10 कंपनियों में 8 अमेरिका की कंपनी हैं। बाकी दो कंपनियां दूसरे देश की हैं। 6वें नंबर पर सऊदी अरब की कंपनी सऊदी अरामको है। यह कंपनी ऑइल और गैस सेक्टर से जुड़ी है। इसका मार्केट कैप 1.77 लाख करोड़ डॉलर है। 9वें नंबर पर टीएसएसी कंपनी है। सेमीकंडक्टर सेक्टर से जुड़ी यह कंपनी ताइवान की है। इसका मार्केट कैप 849 अरब डॉलर है।

भारत की कंपनियां कहां है?

दुनिया की सबसे मूल्यवान टॉप-10 कंपनियों में भारत से कोई भी कंपनी नहीं है। दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में भारत से पहला स्थान मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का है। हालांकि दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में यह 46वें स्थान पर है। इस कंपनी का मार्केट कैप 19.82 लाख करोड़ रुपये है। इसके बाद ञ्जष्टस् का नंबर आता है। यह भारत की दूसरी और दुनिया की 64वीं सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसका मार्केट कैप 16.20 लाख करोड़ रुपये है।

2.36 लाख करोड़ के निवेश से भारत में लगेंगे 6 मैन्युफैक्चरिंग प्लांट, लाखों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने के लिए केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण पहल तेजी से आकार ले रही है। वैश्विक और घरेलू कंपनियों द्वारा इस सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। अब तक देश में 6 सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स को मंजूरी मिल चुकी है, जिसमें करीब 2.36 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत कंपनियों को सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने पर 50 प्रतिशत पूंजीगत सहायता प्रदान की जा रही है। जानकारों का मानना है कि भारत के सेमीकंडक्टर हब बनने से लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा।

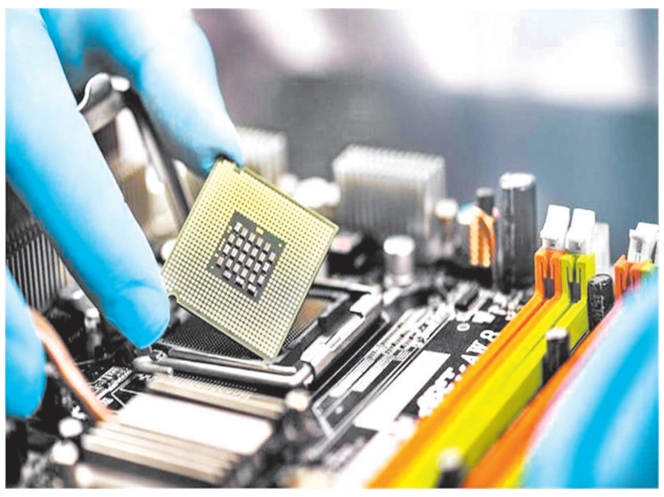

प्रमुख सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पनवेल में अडानी ग्रुप और इजराइली कंपनी टावर सेमीकंडक्टर का 83,947 करोड़ रुपए का सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है। पहले चरण में इसकी उत्पादन क्षमता 40,000 वेफर्स प्रति माह होगी और दूसरे चरण में यह 80,000 वेफर्स तक पहुंच जाएगी।

अमेरिका की माइक्रोन कंपनी गुजरात के साणंद जिले में 23,000 करोड़ रुपए के निवेश से भारत का पहला ओएसएटी प्लांट बना रही है। यहां डीआरएएम और एनएएनडी उत्पादों की असेंबली और टेस्टिंग की जाएगी। यह प्लांट 2025 के मध्य तक काम शुरू कर सकता है।

टाटा ग्रुप और ताइवान की पीएसएमसी कंपनी मिलकर गुजरात के धोलेरा में 91,000 करोड़ रुपए का सेमीकंडक्टर फैब बना रहे हैं। इसकी उत्पादन क्षमता 50,000 वेफर्स प्रति महीने होगी और 2026 तक यह काम करना शुरू कर देगा।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स असम के जगीरोड, मोरीगांव में 27,000 करोड़ रुपए के निवेश से ग्रीनफील्ड सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग सुविधा स्थापित कर रही है। यह उत्तर-पूर्व भारत का पहला सेमीकंडक्टर प्लांट होगा।

सीजी पावर, जापान की रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स और थाईलैंड की स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ मिलकर गुजरात के साणंद में 7,600 करोड़ रुपए के निवेश से ओएसएटी प्लांट बना रही है। इसमें 5जी तकनीक और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए सेमीकंडक्टर बनाए जाएंगे।

कायन्स सेमीकॉन गुजरात के साणंद में 3,307 करोड़ रुपए के निवेश से ओएसएटी प्लांट स्थापित कर रही है, जिसमें प्रतिदिन 63 लाख चिप बनाई जाएगी। इस प्रोजेक्ट को हाल ही में कैबिनेट से मंजूरी मिली है।

इन निवेशों से भारत को सेमीकंडक्टर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है, जिससे देश की तकनीकी क्षमता में बड़ा सुधार होगा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

2 साल में 1400 प्रतिशत चढ़ गया यह छोटकू शेयर, इस दिग्गज ने खरीदे हैं 2100000 शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयर सोमवार को 9 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 845.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई के बिल्कुल करीब हैं। बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले 2 साल में 1400 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। दिग्गज निवेशक आशीष कचौलिया ने बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज पर बड़ा दांव लगाया हुआ है। कचौलिया के पास बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के 21 लाख से ज्यादा शेयर हैं। 2 साल में 1400 प्रतिशत से अधिक उछल गए कंपनी के शेयर

बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयर 2 सितंबर 2022 को 55.75 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 9 सितंबर 2024 को 845.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 2 साल में स्मॉलकैप कंपनी बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में 1415 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। अगर किसी व्यक्ति ने 2 सितंबर 2022 को बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की वैल्यू 15.16 लाख रुपये होती। बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले एक साल में 315 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर 11 सितंबर 2023 को 203.65 रुपये पर थे। बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयर 9 सितंबर 2024 को 845.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस साल अब तक बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों में 240 पर्सेंट का उछाल आया है। इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को कंपनी के शेयर 247.60 रुपये पर थे, जो कि 9 सितंबर 2024 को 845 रुपये के पार पहुंच गए हैं। बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 849.25 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 154.55 रुपये है।

अल्पेश रावल ने पीबीपार्टनर्स के साथ अपनी प्रोफेशनल क्षमता का विकास कर सफलता प्राप्त की

नई दिल्ली, एजेंसी। पॉलिसी बाजार इंश्योरेंस ब्रोकर के प्रतिष्ठित ब्रांड, पीबीपार्टनर्स की स्थापना टियर 2 और टियर 3 शहरों में बीमा जागरूकता बढ़ाने के लिए की गई थी। पीबीपार्टनर्स ने 200,000 से अधिक एजेंट पार्टनर्स को वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद की है। अल्पेश रावल की कहानी इस सफलता का एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जो पीबीपार्टनर्स द्वारा प्रदान किए गए अवसरों और सहयोग को दर्शाती है। अल्पेश रावल ने छः महीने पहले पीबीपार्टनर्स के साथ काम करना शुरू किया था। अल्पेश ने बताया, ''पीबीपार्टनर्स ने एक यूनिफाईड प्लेटफॉर्म द्वारा अनेक सुविधाएं प्रदान की हैं और पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित कर दिया है। तुरंत तुलना करने के विकल्प से न केवल मेरा काम सरल हुआ है बल्कि मेरे ग्राहकों के अनुभव में भी सुधार आया है।

आय में 10 से 15 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि

पीबीपार्टनर्स से जुड़ने के बाद अल्पेश की आय में वृद्धि हुई। उन्होंने कहा, ''पीबीपार्टनर्स के साथ जुड़ने के बाद मुझे तेजी से वित्तीय सफलता मिली। एजेंट पार्टनर्स के लिए उनके सहयोगपूर्ण वातावरण, शानदार वित्तीय प्रोत्साहन/कमीशन, और अनुकूल संस्कृति ने मेरा काम आसान बना दिया और मेरी आय में काफी ज्यादा वृद्धि कर दी।'' पीबीपार्टनर्स ने चार महीने पहले क्लेम प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए एक समर्पित क्लेम टीम का गठन किया। इस बारे में अल्पेश ने बताया, ''पीबीपार्टनर्स के सहयोग से क्लेम का प्रबंधन करने का मेरा दृष्टिकोण बदल गया। टीम की स्पष्टता और प्रभावशीलता ने क्लेम मैनेजमेंट में जटिल और मुश्किल काम को बहुत आसान और व्यवस्थित बना दिया। क्लेम टीम ग्राहकों से आवश्यक दस्तावेज एकत्रित करती है और देरी किए बिना समय पर क्लेम की प्रक्रिया पूरी करती है। यदि क्लेम अस्वीकृत होता है, तो उसका स्पष्ट और वैध विवरण ग्राहकों को दिया जाता है।''

रिलेशनशिप मैनेजर का सहयोग व मार्गदर्शन

अपने अनुभव के बारे में अल्पेश ने कहा, ''पीबीपार्टनर्स में अनुभवी एजेंट पार्टनर और रिलेशनशिप मैनेजर नए एजेंट पार्टनर की मदद करते हैं। उन्हें आवश्यक जानकारी और सहायता प्रदान करते हैं। कंपनी के सहयोग और सुविधाओं से मुझे ज्यादा ग्राहकों तक पहुँचने और बेहतर सेवाएं देने में मदद मिली है। वर्तमान में मैं रोज कई ग्राहकों को सेवाएं दे पा रहा हूँ। रिलेशनशिप मैनेजर के इस सहयोग से इस क्षेत्र में मेरी प्रतिष्ठा बढ़ी है।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल से रेलवे ऑर्डर प्राप्त किया

हैदराबाद , एजेंसी। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जो एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और निर्माण में एक वैश्विक लीडर है, ने घोषणा की है कि उसे पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 14 स्टेशनों पर 12 मीटर चौड़ा फुट ओवरब्रिज प्रदान करने के संबंध में टेलीकॉम सामग्री की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है। इससे पहले, उत्तरी रेलवे जोन के लखनऊ डिवीजन से पीआरजी, पीवाईजीएस और पीएफएम स्टेशनों पर महाकुंभ-2025 के साथ एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली प्रदान करने के लिए स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ था ।

हाल ही में, कंपनी ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए शानदार कमाई की सूचना दी। 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, कंपनी ने अपने परिचालन से राजस्व रु. 1071.46 लाख, जो साल दर साल 53 प्रतिशत की वृद्धि है। ईबीडीटा साल दर साल 32 प्रतिशत बढ़कर रु. 212.26 लाख से रु. 281.24 लाख। पीएटी में साल दर साल 59 प्रतिशत की वृद्धि हुई, रु. 123.60 लाख से रु. 196.52 लाख। पीएटी मार्जिन 17.98 प्रतिशत पर दर्ज किया गया, जो साल दर साल 45 बीपीएस की वृद्धि दर्ज कर रहा है। कंपनी ने पहले भी घोषणा की है कि उसने जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) आधारित पब्लिक एड्रेस सिस्टम (पीए), यात्री सूचना प्रणाली (पीआईएस) (पीएपीआईएस) और एलईडी डेस्टिनेशन बोर्ड विकसित किए हैं, जो नए और मौजूदा एलएचबी/आईसीएफ प्रकार एसी और गैर एसी कोच, जिसमें पेंट्री कार और पावर कार भी शामिल हैं, के अनुसार अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) स्पेक नंबर आरडीएसओ/सीजी-18001 (रेव.2) और क्षमता सह क्षमता मूल्यांकन (सीसीए) के लिए आवेदन किया है। इससे पहले, रेलवे मंत्रालय ने ईओजी टाइप एलएचबी एसी और एनएसी कोच के लिए आपातकालीन प्रकाश व्यवस्था के लिए कंपनी के क्षमता सह क्षमता मूल्यांकन को मंजूरी दी थी। इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की कि उसने अपना क्यूआईपी इश्यू बंद कर दिया है, और बोर्ड ने ? 46 प्रति शेयर के इश्यू मूल्य पर पात्र योग्य संस्थागत खरीदारों को 1,95,65,217 इक्विटी शेयर जारी करने और आवंटन को मंजूरी दी।

रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड के बोर्ड ने 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक का धन जुटाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसईः 539561), जो एपीआई इंटरमीडिएट्स (केएसएम और सीआरएम) और एपीआई व्यापार के लिए आवश्यक अन्य कच्चे माल के व्यापार में लगी हुई है, ने घोषणा की है कि कि इसके बोर्ड ने फ़ॉरेन करन्सी कन्वर्टबल बॉन्ड, प्राइवेट प्लेसमेंट , राइट इश्यू, फॉलो ऑन पब्लिक ऑफरिंग, क्यूआईपी, ग्लोबल डिपाज़िटरी रिसीपटस (जीडीआर) अमेरिकन डिपाज़िटरी रिसीपटस (एडीआर), या किसी अन्य किसी भी अनुमत तरीके या इनके संयोजन के माध्यम से 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक का धन जुटाने के लिए मंजूरी दी है, जैसा कि उचित समझा जा सकता है, लागू होने पर शेयरधारकों की मंजूरी और कानूनी औपचारिकताओं पर अधीन है।

इससे पहले, कंपनी ने 29 जुलाई, 2024 से प्रभावी होने के लिए यूके के एंजेल पार्टनर्स, लिमिटेड के साथ भारत में लिथियम कार्बोनेट बनाने के लिए तकनीक हासिल करने के लिए एक रणनीतिक समझौता किया था। कंपनी ने उसी तारीख से प्रभावी होने के लिए तुर्की के अल्फा केमिकल्स एंड सॉल्वेंट्स लिमिटेड के साथ एक वार्षिक आपूर्ति समझौता भी किया। तकनीकी-ग्रेड लिथियम कार्बोनेट की आपूर्ति जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में शुरू होगी। ष्टङ्घ 2025 के लिए आपूर्ति का मूल्य 20-25 मिलियन अमेरिकन डॉलर है। तकनीकी-ग्रेड लिथियम कार्बोनेट का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों और पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए लिथियम-आयन बैटरी में किया जाता है। रेमेडियम ने एंजेल पार्टनर्स, लिमिटेड से तकनीक का उपयोग करके तकनीकी-ग्रेड लिथियम कार्बोनेट का उत्पादन करने के लिए विभिन्न अनुबंध निर्माताओं के साथ साझेदारी की है।

रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड, जो एपीआई इंटरमीडिएट्स (केएसएम और सीआरएम) और एपीआई व्यापार के लिए आवश्यक अन्य कच्चे माल के व्यापार में लगी हुई है, ने एमिनो आइसोफथैलिक एसिड, टेल्यूरियम ऑक्साइड, ग्रीग्नार्ड अभिकर्मक, आयोडीन, सेलेनियम धातु पाउडर, ट्राइमेथिल सल्फोक्सोनियम आयोडाइड (टीएमएसआई) के व्यापार करके फार्मास्युटिकल और हेल्थकेयर क्षेत्रों में अपने प्रदर्शन और उपस्थिति को मजबूत किया है। एक अग्रणी अनुबंध व्यापारी और उन्नत इंटरमीडिएट्स और एपीआई के ब्रांड मालिक के रूप में, रेमेडियम ने इंटरमीडिएट्स और एपीआई के व्यापार में अपना प्रतिमान स्थानांतरित कर दिया है।

अपने अध्यक्ष के आदर्श को दर्शाते हुए, जो चुपचाप कड़ी मेहनत करने और सफलता को शोर करने देने में विश्वास करते हैं, रेमेडियम अडिग गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के लिए समर्पित है। रेमेडियम ने लगातार ऐसे इंटरमीडिएट्स (केएसएम और सीआरएम) और एपीआई विकसित करने की अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से उद्योग के बेंचमार्क को बढ़ाया है जो रोगियों और दुनिया भर के समाजों के लिए अद्वितीय मूल्य प्रदान करते हैं। विकसित होती मांगों के लिए तेजी से अनुकूलन करते हुए, कंपनी वैश्विक फार्मास्युटिकल उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ती संगठनों में से एक के रूप में उभरी है।

गोपाल राय अपनी नाकामियों से बचने के लिए विंटर एक्शन प्लान को बार-बार नया अमली जामा पहनाकर पेश कर रहे है, पटाखों पर प्रतिबंध हर साल होता है- देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली जैस्मीन कौर मुख्य संवाददाता दैनिक रुस्तम-ए-हिन्द

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 2024- दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि सर्दियों में प्रदूषण को नियंत्रित न कर पाने का डर दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय को सताने लगा है इसलिए अगस्त माह के अंतिम दिनों में प्रदूषण नियंत्रण के 14 सूत्री कार्यक्रम की घोषणा करने के बाद उसमें संशोधन करके उसे 21 दिन का विंटर एक्शन प्लान बनाकर घोषणा करना दिल्ली वालों को गुमराह करना है। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक है कि सभी संसाधन, सत्ता, अधिकारी और कर्मचारी होने के बावजूद गोपाल राय प्रदूषण को नियंत्रित करने में आश्वस्त अथवा सुनिश्चित नहीं है। श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले 10 वर्षो से दिल्ली के लोग जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर है, सरकार साल दर साल अपने आपको असहाय घोषित करके प्रदूषण के लिए दूसरे राज्यों व अन्य कारकों को जिम्मेदार ठहराती आ रही है। केजरीवाल सरकार की निष्क्रियता वायु प्रदूषण से प्रत्येक दिल्लीवासी के जीवन के सात वर्ष कम हो रहे है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जब गोपाल राय प्रदूषण नियंत्रण के लिए मिले 742.69 करोड़ में से सिर्फ 29 प्रतिशत ही खर्च कर पाए, फिर अब क्यों मंत्री महोदय कैसे प्रदूषण नियंत्रण करने का दावा कर रहे है, इसका जवाब दें? श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि जब हर वर्ष दिल्ली सरकार सर्दियों में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध लगाती रही है, तब इसे भी विंटर एक्शन प्लान में पहले ही शामिल किया जाना चाहिए।

आम आदमी पार्टी ने पिछली बातों को दोहराकर लोगों से झूठी सहानुभूति लेने के लिए हर विषय को इंवेंट बनाकर पेश करने की नीति बना ली है। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा के लिए पटाखों पर प्रतिबंध लगना चाहिए परंतु यह प्रतिबंध केवल घोषणा के लिए नहीं होना चाहिए। 1 जनवरी तक पटाखों पर प्रतिबंध लागू करने की घोषणा तो गोपाल राय ने की है परंतु क्या वे इस पर अमल करवा पाऐंगे। क्योंकि दिल्ली सरकार के विभागों और दिल्ली पुलिस के संरक्षण में पटाखों की खुले आम बिक्री भी होती है और उन्हें चलाया भी जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण का मुख्य कारण तीनों लैंड फिलों पर कूड़ा निस्तारण के काम को पूरा करने में विफल रही है जबकि पिछले दो वर्षो से निगम में आम आदमी पार्टी की सरकार भी है। श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि अगर दिल्ली सरकार प्रदूषण को नियंत्रित को गंभीर होती तो दिल्ली के खतरनाक व जानलेवा प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए हर वर्ष विंटर एक्शन प्लान बनाने की जरुरत नही पड़ती। सच्चाई तो यह है कि आगामी महीनां में आम आदमी पार्टी का 21 बिंदुओं का विंटर एक्शन प्लान भी खोखला साबित होगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार पिछले 10 वर्षों से प्रदूषण नियंत्रण के लिए कितने अभियान चला चुकी है परंतु कोई भी कारगर सिद्ध नही हुआ है। गोपाल राय 21 बिंदुओं के विंटर एक्शन प्लान में ऐसा कौन सा अभियान चलाने वाले है जिससे वो दिल्ली के लोगों को जानलेवा प्रदूषण से छुटकारा दिलवाऐंगे।

बुराड़ी और चॉदनी चौक विधानसभा से आम आदमी पार्टी और भाजपा सैंकड़ों कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हुए, कांग्रेस का परिवार लगातार बढ़ता जा रहा है- देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली जैस्मीन कौर मुख्य संवाददाता दैनिक रुस्तम-ए-हिन्द

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 2024- दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र यादव ने आज प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में आम आदमी पार्टी और भाजपा छोड़कर आए बुराड़ी और चॉदनी चौक विधानसभा के सैंकड़ो कार्यकर्ता को पार्टी का पटका पहनाकर उन्हें कांग्रेस में शामिल कर लिया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष श्री देवेन्द्र यादव के साथ कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक श्री अनिल भारद्वाज, करावल नगर जिला अध्यक्ष श्री आदेश भारद्वाज, जिला अध्यक्ष मिर्जा जावेद अली, सोशल मीडिया चेयरमैन श्री राहुल शर्मा, बुराड़ी आरडब्लूए फेडरेशन के अध्यक्ष मंगेश त्यागी, निगम प्रत्याशी सुधीर पारचा मौजूद थे। कांग्रेस में शामिल होने वालों में बुराड़ी विधानसभा से विनोद त्यागी, श्री एनडी सनवाल, श्री संजय सिंह चौहान, श्रीमती सावित्री देवी और चॉदनी चौक विधानसा के बीएलए, वार्ड अध्यक्ष श्री पदम सिंह सहित सैंकड़ो आम आदमी पार्टी और भाजपा के नेता और कार्यकर्ता प्रदेश कार्यालय में मौजूद थे। श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि पिछले लंबे समय से कांग्रेस पाटी जो संघर्ष कर रही है, उसका नतीजा आना शुरु हो गया है। पिछले 15 दिनों से लगातार आम आदमी पार्टी, भाजपा, बीएसपी और क्षेत्रीय

पार्टियों के नेता कांग्रेस अध्यक्ष आदरणीय श्री मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में प्रतिपक्ष नेता श्री राहुल गांधी जी के संघर्ष, संविधान की रक्षा की लड़ाई और गरीबों, किसानों को न्याय दिलाने की लड़ाई से प्रेरित होकर कांग्रेस संगठन में शामिल हो रहे है। दिल्ली में कांग्रेस का परिवार लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में शामिल लोगों से कहा कि जब कांग्रेस कार्यकर्ता मजबूत होगा तो कांग्रेस भी मजबूत होगी। एक विधानसभा में लोगां के शामिल होने का असर अन्य विधानसभाओं में भी पड़ता है। लोकसभा चुनाव में बढ़े वोट प्रतिशत के बाद लोगों में दिखे रुझान के बाद कांग्रेस लगातार मजबूत बन रही है। श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस सभी को सम्मान देती है। कांग्रेस में शामिल होने वालो को मैं विश्वास दिलाता हूँ कि उन्हें पार्टी में उचित स्थान दिया जाएगा। सभी एकजुटता के साथ कांग्रेस की नीतियों में विश्वास रखते हुए संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी को बूथ स्तर कार्यकर्ताओं को जोड़ने का काम करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में सब बराबर है और सबकी बराबर की जिम्मेदारी है कि वो संगठनात्मक स्वरुप को मजबूत बनाने के लिए काम करें।

कानपुर के कोका कोला चौराहे का नाम अब सतगुरू टेऊंराम चौराहा

- रंग लाया पार्षद दल के नेता नवीन पंडित और भाजपा नेता चंद्र कुमार गंगवानी का प्रयास

सुनील बाजपेई

कानपुर। मोती झील के निकट शीतल पेय कंपनी कोका-कोला के नाम पर रखा चौराहे का नाम अब बदल दिया गया है। उसे अब कोका कोला नहीं बल्कि सतगुरू टेऊंराम चौराहा के नाम से जाना जायेगा। ऐसा किए जाने से सिंधी समाज में हर्ष की लहर है और उसने इसके लिए मेयर प्रमिला पांडे के साथ ही पार्षद दल के नेता नवीन पंडित और भाजपा नेता चंद्र कुमार गंगवानी लालू का भी जोरदार स्वागत किया। अवगत कराते चलें कि नगर निगम कार्यकारिणी बैठक में पार्षद दल नेता नवीन पंडित , चन्द्र कुमार गंगवानी लालू ने कोका-कोला चौराहे का नाम परिवर्तित कर सतगुरू टेऊंराम चौराहा किए जाने का प्रस्ताव रखा था। नगर निगम कार्यकारिणी द्वारा प्रस्ताव पास किए जाने के तत्पश्चात महापौर प्रमिला पांडे,पार्षद दल के नेता नवीन पंडित, चन्द्र कुमार गंगवानी का श्री प्रेम प्रकाश आश्रम कौशलपुरी गुमटी नंबर 5 में भव्य स्वागत भी किया गया। इसके पहले प्रेम प्रकाश आश्रम से मेयर महापौर प्रमिला पाण्डेय एवं संत श्री भोला साई के नेतृत्व में आश्रम से एक भव्य शोभा यात्रा रैली निकाली गई जो कोकाकोला चौराहे पर समाप्त हुई ,जहां मेयर ने नाम परिवर्तन की विधिवत घोषणा की। साथ ही श्री प्रेम प्रकाश आश्रम मंडली द्वारा प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर प्रेम प्रकाश आश्रम कौशलपुरी में मेयर प्रमिला पाण्डेय ने सदगुरु साई टेऊंराम जी मुर्ति पर दीप प्रज्जवलन पश्चात माल्यार्पण किया। जिसके बाद सिन्धी समाज के समस्त पंचायतों के मुखियाओं एवं समाज के प्रमुख लोगों के साथ ही प्रेम प्रकाश आश्रम के संत श्री भोला साईं ने चौराहे का नाम साईं टेऊंराम चौक किये जाने पर मेयर प्रमिला पांडे पार्षद दल के नेता नवीन पंडित और भाजपा नेता चंद्र कुमार गंगवानी लालू का आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर हेमंत, नरेश, सचिन, मनोज, कौशल, लकी, सुरेश, दीपक, मोहित एवं समस्त प्रेम प्रकाश मंडली आदि मौजूद रहे।

रवां गांव में भाजपा नेता नसीम अहमद का जोरदार स्वागत

- बुजुर्गों, युवाओं व महिलाओं ने चुनाव में पूरा साथ देने का दिया आश्वासन
- फिरोजपुर झिरका विधानसभा से भारी मतों से जीतेंगे नसीम अहमद

नूंह जुबैर खान

नूंह- सोमवार को फिरोजपुर झिरका विधानसभा से भाजपा के पूर्व विधायक नसीम अहमद का गांव रवा में जोरदार स्वागत सम्मान समारोह आयोजित

किया गया। इस दौरान गांव के बुजुर्गों, युवाओं व महिलाओं ने फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। दूसरी और सभी ने आगमी चुनाव में उनको पूरा साथ देने का आश्वासन दिया। इस मौके पर ग्रामीणों ने कहा कि आगमी चुनाव में वह नसीम अहमद का तन मन धन से पूरा सहयोग करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि इस बार नसीम अहमद भारी मतों से जीतकर विधानसभा पहुंच रहे हैं। नसीम अहमद व उनके परिवार पूर्व से ही छेत्र की भलाई के लिए कार्य करते आए। ऐसे में इस बार क्षेत्र के मतदाता उनको भारी मतों से विजई बनाकर विधानसभा भेजने का कार्य करेंगे। अहमद ने कहा कि केंद्र के साथ प्रदेश में भाजपा की सरकार ने पूरी ईमानदारी के साथ कार्य किया है। आज मेवात जिले के युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता दी गई है तो जिले में विकास के लिए आईएमटी विकसित की जा रही है इसके साथ दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे ने मेवात जिले की तस्वीर को बदला है। आने वाले समय में भाजपा का मकसद यहां पर बड़े उद्योग लगाकर क्षेत्र का संपूर्ण विकास करना है। उन्होंने ग्रामीणों से आवाहन किया कि आगामी 5 अक्टूबर को वह उनको जिताकर विधानसभा भेजने कार्य करें।

दिल्ली के उपराज्यपाल दौलतपुर गांव में 21 दिनों धरने पर बैठे 358 गांवों के किसानों के हित में परिस्थितियों को देखते हुए हस्तक्षेप करके उचित निर्णय लें- देवेन्द्र यादव

जमीनों के मुआवजे और सर्कल रेट दिलाने की लड़ाई को कांग्रेस किसानों के साथ मिलकर लड़ेगें- देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली जैस्मीन कौर मुख्य संवाददाता दैनिक रुस्तम-ए-हिन्द

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 2024- दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र यादव ने दिल्ली भर के 358 गांवों के किसान नजफगढ़ के दौलत पुर गांव में अपनी मांगों के लिए पिछले 21 दिनों से धरने पर बैठे है, परंतु केन्द्र और दिल्ली की सरकार किसानों की सुध नही ले रही है। उन्होंने कहा कि एल जोन की जमीन की लैंड पूलिंग करके कृषि की जमीन को शहरीकृत जमीन में तबदील करने का अध्यादेश जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों के साथ है और जमीनों के मुआवजे और सर्कल रेट दिलाने की लड़ाई हम किसानों के साथ मिलकर लड़ेगें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि उपराज्यपाल दिल्ली के किसानों के हित में वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार हस्तक्षेप करके उचित निर्णय लें। श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि सरकार से परेशान किसान बता रहे है कि सरकारी अधिकारी बार-बार आकर कहते हैं कि अपनी जमीन लैंड पूलिंग में अधिग्रहित करो, जबकि मास्टर प्लान के अंतर्गत पॉलिसी के बारे में सरकार किसानों को अवगत नही करा रही।

मास्टर प्लान की क्या रुपरेखा है सरकार द्वारा किसानों बताई जाए। दिल्ली विकास प्राधिकरण के निदेशक तक किसानों से सुझाव मांग रहे है, कहते है आपके सुझाव केबिनेट में देंगे, मगर 20 दिनों से अधिक समय से चल रहे धरने पर सरकार किसानों की मांगों के बारे कोई बात नही की है जबकि किसान कह रहे है कि लैंड पूलिंग करने के बाद 400 एफ.ए.आर. दिया जाए। उन्होंने कहा कि कुल जमीन का 60 प्रतिशत किसान के पास होना चाहिए और 40 प्रतिशत सरकार अपने इस्तेमाल के लिए ले। श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि गांव में रहने वाले किसानों का यह भी कहना है कि गांव के लाल डोरा के साथ बड़ी हुई आबादी को भी रेगुलराईज किया जाए तथा लाल डोरा को भी बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रति एकड़ 2 करोड़ रुपये विकास शुल्क के नाम पर जो सरकार लागू करना चाहती वो किसानों पर लागू नही होना चाहिए। श्री देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में 2 से 2.5 करोड़ रुपये प्रति एकड़ में जमीनें ली जाती हैं जबकि दिल्ली की सीमा के बाहर जमीन की कीमत 15 से 20 करोड़ रुपये तक है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की जमीन अधिग्रहीत की गई थी, उनकी भावी पीढ़ी को खेती के लिए जमीन के बिना भविष्य में रोजगार और अजीविका के संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की मांग मास्टर प्लान 2041 लागू करने, मास्टर प्लान 2021 लैंड पूलिंग की संशोधित नीति लागू होने, मोटेशन शुरु करने और 74 (4) के तहत जमीन का मालिकाना हक प्रदान करने की लड़ाई में कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ खड़ी है।

रिसर्च ग्रांट को जीएसटी के दायरे से बाहर करना रिसर्च के ज़रिए देश की तरक़्क़ी में योगदान देने वाले हमारे शैक्षिक संस्थाओं के लिए बहुत बड़ा फ़ैसला है-वित्त मंत्री आतिशी

नई दिल्ली जैस्मीन कौर मुख्य संवाददाता दैनिक रुस्तम-ए-हिन्द

09 सितंबर, नई दिल्ली 54वें जीएसटी काउंसिल बैठक में केजरीवाल सरकार के विरोध के बाद अब रिसर्च ग्रांट को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा जाएगा। आम आदमी पार्टी की दिल्ली व पंजाब सरकार के जीएसटी काउंसिल में विरोध पर केंद्र सरकार रिसर्च ग्रांट को जीएसटी के दायरे से बाहर करने के लिए राज़ी हो गई है। इस बाबत साझा करते हुए वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि, जीएसटी काउंसिल ने रिसर्च ग्रांट पर जीएसटी ना लगाने का फ़ैसला लिया है, यह देश के विकास के लिए एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि, शिक्षण संस्थानों के रिसर्च ग्रांट पर टैक्स लगना टैक्स टेररिज्म के समान है। लेकिन आम आदमी पार्टी के विरोध के बाद रिसर्च ग्रांट को जीएसटी के दायरे से बाहर करने का फ़ैसला रिसर्च के ज़रिए देश की तरक़्क़ी में योगदान देने वाले हमारे शैक्षिक संस्थाओं के लिए बहुत बड़ा फ़ैसला साबित होगा। वित्त मंत्री आतिशी ने ट्वीट करते हुए भी कहा कि, आम आदमी पार्टी ने लगातार रिसर्च ग्रांट पर जीएसटी का विरोध किया। आज जीएसटी काउंसिल की बैठक में दिल्ली और पंजाब सरकार ने इस मुद्दे को उठाया कि शिक्षण संस्थानों को मिली रिसर्च ग्रांट - चाहे वो सरकारी ग्रांट हो या प्राइवेट - पर जीएसटी नहीं लगना चाहिए। मुझे ख़ुशी है कि आज जीएसटी काउंसिल ने रिसर्च ग्रांट पर जीएसटी ना लगाने का फ़ैसला लिया है। यह देश के विकास के लिए एक बड़ा कदम है। वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि, आज जीएसटी काउंसिल की 54वीं बैठक में दिल्ली और पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार ने शैक्षिक संस्थानों को मिलने वाले रिसर्च ग्रांट पर लगने वाले जीएसटी का पुरज़ोर विरोध किया। उन्होंने कहा कि, शिक्षण संस्थानों के रिसर्च ग्रांट पर टैक्स लगना टैक्स टेररिज्म के समान है। और हमें इस बात की ख़ुशी है कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और बाक़ी राज्य सरकारों की सहमति बनी। वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि, जो मुद्दा बार बार दिल्ली सरकार और पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार उठा रही थी कि, रिसर्च ग्रांट पर जीएसटी नहीं लगना चाहिए उसपर आज जीएसटी काउंसिल ने निर्णय लिया है कि अब किसी शैक्षिक संस्थान को मिलन वाले रिसर्च ग्रांट पर जीएसटी नहीं लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि, ये रिसर्च के ज़रिए देश की तरक़्क़ी में योगदान देने वाले हमारे शैक्षिक संस्थाओं के लिए बहुत बड़ा फ़ैसला है।

क्या था रिसर्च ग्रांट पर जीएसटी का मुद्दा

बता दे कि, शिक्षण संस्थानों को मिलने वाले प्राइवेट रिसर्च ग्रांट पर केंद्र सरकार 18त्न जीएसटी लेती है। पिछले दिनों केंद्र सरकार ने देश के 6 बड़े शिक्षण संस्थानों को रिसर्च ग्रांट पर 220 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस भेजा था।दुनिया में कोई भी ऐसा देश नहीं है जो रिसर्च पर जीएसटी लगाती है। ऐसे में आम आदमी पार्टी की दिल्ली और पंजाब सरकार ने इसका पुरज़ोर विरोध किया और नतीजतन आज जीएसटी काउंसिल की बैठक में केंद्र सरकार ने रिसर्च ग्रांट को जीएसटी के दायरे से हटाने का फ़ैसला लिया है।

मणिपुर, हरियाणा और यूपी समेत जहां भी भाजपा की सरकारें हैं, वहां कानून-व्यवस्था की हालत बद से बदतर हो चुकी है- प्रियंका कक्कड़

नई दिल्ली जैस्मीन कौर मुख्य संवाददाता दैनिक रुस्तम-ए-हिन्द

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर आम आदमी पार्टी ने केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा नियुक्त एलजी वीके सक्सेना पर तीखा हमला बोला। ''आप'' की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि वीके सक्सेना दिल्ली में अब तक के सबसे अक्षम एलजी हैं। उनसे कानून व्यवस्था नहीं संभल रही है। लिहाजा उन्हें अपने पद से तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के अधिकार छीनने में व्यस्त एलजी साहब का पुलिस सुधार पर कोई ध्यान नहीं है। इसी वजह से लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। बीते छह सितंबर को सीमापुरी के एक क्लब में बदमाशों द्वारा सरेआम की गई कई राउंड फायरिंग ये बताती है कि दिल्ली की कानून-व्यवस्था भगवान भरोसे है। यहां सरेआम फायरिंग, लूटपाट और हत्याएं हो रही हैं, लेकिन भाजपा के एलजी साहब और केंद्रीय गृह मंत्रालय कोई एक्शन नहीं ले रहे हैं। वहीं, अब तो एलजी साहब सोशल मीडिया पर भी पैसे खर्च कर रहे हैं।

51 लोगों की कमेटी गठन कर निर्दलीय चुनाव लड़ने का लेगी निर्णय : मंत्री संजय सिंह

नूंह जुबैर खान

रविवार को वन पर्यावरण एवं खेल मंत्री कंवर संजय सिंह की टिकेट कटने पर सोहना में एक महापंचायत का आयोजन किया गया। इस महापंचायत के आयोजक मंत्री संजय सिंह थे। जिसमें हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने ने मंच से उमड़े जन सैलाब को संबोधित करते हुए कहा आज इस जन सैलाब ने दिखा दिया है कि सभी कार्यकर्ता कंवर संजय सिंह के साथ हैं। 51 लोगों की गठित की गई कमेटी निर्णय लेगी जो कमेटी का निर्णय सर्व मान्य होगा। यदि पार्टी दो दिन के अंदर टिकट बदलने का फैसला लेती है तो ठीक वरना निर्दलीय चुनाव लड़ा जाएगा।

उन्होंने पूर्व विधायक पर भी भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। कहा पूर्व विधायक के लोगों ने परिवार के लोगों ने जमीने कब्जाने का काम किया है बहन बेटियों से झगड़ा करने का काम किया है साथ कहा जो उन्हें टिकट मिली है नीचे से उप्पर तक

पैसे की बरसात करके मिली है। कहा मेरे लिए समाज से बढ़कर पार्टी नहीं। अगर समाज कहेगा तो पार्टी और मंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार है।

समाज ने ही मुझे बनाने का काम किया है पार्टी ने नहीं। मैं ऐसे पद को ठोकर मरने के लिए भी तैयार हूं। सोहना मेवात पर जब भी कोई आपत्ति आई तो कंवर संजय सिंह का परिवार हमेशा आगे खडा मिला। संघर्ष करने में कंवर संजय सिंह कभी पीछे नहीं हटा। जहां इस पंचायत में बरसात के बावजूद भी कार्यकर्ता रुके रहे। सम्मेलन के बीच में ही जिला परिषद के पूर्व चेयरमैन कल्याण सिंह चौहान और महेश चौहान ने भी मंच सांझा की। जहां लोगों की नजरे इस पंचायत पर थी कि कब निर्णय लें और निर्दलीय चुनाव की घोषणा हो।

वहीं अब देखना यह होगा कि आने वाले दो दिन के समय में पार्टी प्रत्याशी की टिकट बदलने का कार्य करेगी या कंवर संजय सिंह पार्टी के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे। अगर निर्दलीय चुनाव लड़े तो भाजपा प्रत्याशी तेजपाल तंवर मुसीबत बढ़ सकती है। इस पंचायत में विशेष बात देखने को मिली जहां एक समुदाय ने दूरी बनाए रखी। शहर से भी न के बराबर लोग मोजूद थे जो कि चर्चा का विषय था। जिसमें व्यापार मंडल संघ के प्रधान मनोज राघव बजरंगी जो 30 यूनियन के लगातार 5 साल से प्रधान रहे हैं और राजपूत समाज से संबंध रखते हैं। जहां वो शहर और आसपास इलाके में हर समाज के दुख सुख में शरीक होते हैं। आज तक उन की छवि पर कोई दाग नहीं लगा। लेकिन जो निर्णय पंचायत में उन्होंने कभी ले लिया वही सर्व मान्य भी होता है।

रुस्तम-ए-हिन्द सम्पादकीय

सामने हो तोप तो अखबार निकालो कलम को अपना हथियार बनालो
सरदार चरणजीत सिंह सम्पादक

भारत में प्रतिवर्ष कितनी लड़कियां गायब होती हैं?

भारत में हर साल बड़ी संख्या में लड़कियां गायब होती हैं। ये आंकड़े विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा जुटाए जाते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, बच्चों के गायब होने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है।

आंकड़े:
2019 में- लगभग 73,000 बच्चे गायब हुए, जिसमें लड़कियों की संख्या लड़कों से अधिक थी।
2020 में- लगभग 60,000 बच्चे गायब हुए, जिसमें लड़कियों का प्रतिशत भी उच्च था।

सरदार चरणजीत सिंह
सम्पादक

राज्यवार आंकड़े

पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश-इन राज्यों में बच्चों के गायब होने की घटनाएं अधिक दर्ज की गई हैं।
पश्चिम बंगाल और दिल्ली: विशेष रूप से लड़कियों के गायब होने की संख्या अधिक होती है।

भारत में वेश्यावृत्ति के दस अड्डे और शहर

भारत में वेश्यावृत्ति एक जटिल और विवादास्पद मुद्दा है। कुछ प्रमुख शहर जहां वेश्यावृत्ति व्यापक है, उनमें मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, पुणे, और बेंगलुरु शामिल हैं। इन शहरों में रेड-लाइट एरिया हैं, जहां वेश्याएं काम करती हैं। इनमें से कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं-

कमाठीपुरा, मुंबइ। देश के सबसे पुराने और बड़े रेड-लाइट इलाकों में से एक।
सोनागाछी, कोलकाता- एशिया का सबसे बड़ा रेड-लाइट एरिया, जहां हजारों महिलाएं वेश्यावृत्ति में लगी हैं।
जीबी रोड, दिल्ली- दिल्ली का सबसे बड़ा वेश्यावृत्ति का अड्डा, जहां सैकड़ों महिलाएं काम करती हैं।
बुधवार पेठ, पुणे- वेश्यावृत्ति के लिए जाना जाता है और यहां बड़ी संख्या में महिलाएं इस पेशे में हैं।
कुबोन पार्क, बेंगलुरु- बेंगलुरु का यह क्षेत्र वेश्यावृत्ति के लिए प्रसिद्ध है।
मीरापुर बस स्टैंड, मेरठ- मेरठ का एक प्रमुख वेश्यावृत्ति का अड्डा।
फतेहपुर, सिकरी रोड, आगरा- आगरा का यह इलाका वेश्यावृत्ति के लिए जाना जाता है।
काजीपुर, पटना- पटना का प्रमुख केंद्र।
चिकमंगलूर, कर्नाटक-कर्नाटक का एक प्रमुख वेश्यावृत्ति का अड्डा।
शिवाजी नगर, नागपुर-नागपुर का यह क्षेत्र वेश्यावृत्ति के लिए प्रसिद्ध है।

वेश्याओं का जीवन, समस्याएं और समाधान

समस्याएं

स्वास्थ्य समस्याएं: यौन संचारित रोगों (स्ञ्चष्ठह्य) का उच्च जोखिम, एचआईवी/एड्स, और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं।
सामाजिक बहिष्कार: समाज में हाशिये पर रहने की स्थिति, परिवार से दूराव, और सामाजिक कलंक।
आर्थिक असुरक्षा: अस्थिर आय, अत्यधिक शोषण, और दलालों व ग्राहकों द्वारा अत्याचार।
कानूनी समस्याएं: अवैध वेश्यावृत्ति के कारण कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जैसे गिरफ्तारी और उत्पीड़न।
मानसिक स्वास्थ्य: अवसाद, चिंता, और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं आम हैं।
बाल वेश्यावृत्ति: कई बार बालिकाओं को जबरन इस धंधे में धकेला जाता है, जो कि एक गंभीर समस्या है।
मानव तस्करी: महिलाओं और बच्चों को धोखे से या जबरदस्ती इस धंधे में लाया जाता है।
शोषण: दलालों, ग्राहकों और कभी-कभी पुलिस द्वारा शोषण।
स्वास्थ्य सेवाओं की कमी: यौन स्वास्थ्य और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की कमी।
कानूनी अस्पष्टता: भारत में वेश्यावृत्ति का कानून अस्पष्ट है, जिससे पुलिस और न्यायिक तंत्र के साथ समस्याएं होती हैं।

समाधान

स्वास्थ्य सेवाएं: वेश्याओं के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, जैसे मुफ्त या सस्ती चिकित्सा सेवाएं, एचआईवी/एड्स की रोकथाम और उपचार।
शिक्षा और पुनर्वास: शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से वेश्याओं को वैकल्पिक रोजगार के अवसर प्रदान करना।
कानूनी सुधार: वेश्यावृत्ति से जुड़े कानूनों का सुधार और स्पष्टता, ताकि वेश्याओं के अधिकारों की रक्षा हो सके और उन्हें कानूनी सहायता मिल सके।
सामाजिक जागरूकता: वेश्यावृत्ति के बारे में समाज में जागरूकता बढ़ाना और सामाजिक कलंक को कम करना।
मानव तस्करी रोकथाम: मानव तस्करी की रोकथाम के लिए सख्त कानून और उनके प्रभावी कार्यान्वयन।
सुरक्षा: वेश्याओं की सुरक्षा के लिए पुलिस और गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका को मजबूत करना।
इन समाधानों के माध्यम से वेश्याओं के जीवन को सुधारने के प्रयास किए जा सकते हैं, जिससे उन्हें एक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जीने का अवसर मिल सके।

भारत सरकार सभी प्रकार की निम्नतम से उछत्तम शिक्षा में उपयोग होने वाली पुस्तकों और शैक्षिक प्रिंटिंग सामग्री को सबसे उपयोगी श्रेणी में लेकर शिक्षा का स्तर अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार बढ़ाना नहीं चाहती, क्या भारत सरकार सभी प्रकार के विद्यार्थियों के अधिकारों को बेकार समझती है ?

• क्या भारत सरकार शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुधारने में असमर्थ है?

• सरदार चरणजीत सिंह सम्पादक की कलम से

भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश है, जहां शिक्षा को सामाजिक और आर्थिक प्रगति के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाता है। पिछले कुछ दशकों में, शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की दिशा में कई प्रयास किए गए हैं, लेकिन एक महत्वपूर्ण प्रश्न आज भी बना हुआ है- क्या भारत सरकार सभी प्रकार की शैक्षिक सामग्री, विशेष रूप से पुस्तकों और प्रिंटिंग सामग्री को सुधारने के प्रति गंभीर है? और क्या सरकार अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के प्रति उदासीन है?

शिक्षा का महत्व और वर्तमान स्थिति

भारत में शिक्षा को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है। सरकार ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से शिक्षा को सुलभ और सर्वजन हितकारी बनाने के प्रयास किए हैं, जैसे सर्व शिक्षा अभियान, मिड-डे मील योजना, और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (हृश्वक्क) 2020। इसके बावजूद, शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और शैक्षिक सामग्री का स्तर अंतर्राष्ट्रीय मानकों से काफी पीछे है। इसका मुख्य कारण शैक्षिक सामग्री की गुणवत्ता, पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता और शिक्षण पद्धतियों का पुराना ढांचा है।

शैक्षिक पुस्तकों और सामग्री की गुणवत्ता

भारत में सरकारी और निजी स्कूलों में उपयोग होने वाली पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता और प्रिंटिंग सामग्री का स्तर अक्सर कमजोर होता है। न केवल सामग्री में त्रुटियाँ पाई जाती हैं, बल्कि कई बार यह सामग्री छात्रों की समकालीन आवश्यकताओं के साथ मेल नहीं खाती। उदाहरण के लिए, विभिन्न विषयों में आधुनिक वैज्ञानिक खोजों या तकनीकी विकास को शामिल करने में देरी होती है। जब तक छात्रों को नवीनतम और सटीक जानकारी प्रदान नहीं की जाएगी, तब तक शिक्षा का स्तर वैश्विक मानकों के करीब नहीं पहुंच सकता। इसके अलावा, शैक्षिक सामग्री के वितरण में भी असमानताएँ देखी गई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार छात्रों को निम्न गुणवत्ता की किताबें मिलती हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में भी प्राइवेट पब्लिशर्स द्वारा तैयार की गई महंगी किताबें गरीब छात्रों के लिए पहुँच से बाहर हो जाती हैं। यह असमानता शिक्षा में व्यापक खाई को बढ़ाती है।

क्या सरकार शिक्षण सामग्री में सुधार चाहती है?

यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण है कि क्या भारत सरकार वास्तव में शैक्षिक सामग्री में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। हालाँकि सरकार ने हृश्वक्क2020 जैसी पहलें की हैं, लेकिन इनके क्रियान्वयन में कई चुनौतियाँ हैं। सरकारी नीतियों का प्रभावी रूप से लागू न हो पाना और सीमित वित्तीय संसाधन अक्सर शैक्षिक सुधारों में बाधा बनते हैं। शिक्षण सामग्री और पुस्तकों की गुणवत्ता सुधारने के लिए पर्याप्त निवेश और विशेषज्ञों की भागीदारी की आवश्यकता है। सरकार को न केवल नई और प्रासंगिक सामग्री विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए, बल्कि सभी छात्रों को समान रूप से उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री उपलब्ध करानी चाहिए।

छात्रों के अधिकार और उनका महत्व

हर छात्र का अधिकार है कि उसे उत्कृष्ट और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। जब सरकार शैक्षिक सामग्री की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देती, तो यह छात्रों के अधिकारों का उल्लंघन होता है। अंतर्राष्ट्रीय मानक सिर्फ एक तुलना का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह दर्शाते हैं कि किस तरह की शिक्षा छात्रों को वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार कर सकती है। भारत में विभिन्न वर्गों के छात्रों के बीच असमानता भी एक बड़ी समस्या है। कई बार समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के छात्रों को उचित शिक्षा नहीं मिलती। ऐसे में, सरकार को छात्रों के अधिकारों को महत्व देना चाहिए और शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

निष्कर्ष

भारत सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई सुधारात्मक कदम उठाए हैं, लेकिन शिक्षण सामग्री और पुस्तकों की गुणवत्ता अभी भी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं है। जब तक सरकार इस क्षेत्र में ठोस पहल नहीं करती और छात्रों के अधिकारों को गंभीरता से नहीं लेती, तब तक भारतीय शिक्षा प्रणाली वैश्विक मानकों के अनुरूप नहीं हो सकती। छात्रों का अधिकार है कि उन्हें उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और सामग्री मिले, और सरकार को इस दिशा में अपने प्रयासों को तेज करने की आवश्यकता है ताकि भारतीय छात्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें और एक प्रगतिशील समाज का निर्माण कर सकें।

सोने के जेवर खरीदने पर ज्वेलर्स लेबर चार्जेस, पोलिश चार्जेस और वेस्टेज लेते हैं, ग्राहक द्वारा जेवर वापिस देने परलेबर चार्जेस, पोलिश चार्जेस और वेस्टेज का पैसा काटकर सोने का पैसा ग्राहक को वापिस दे देते हैं, भारत सरकार ग्राहकों के आर्थिक अधिकारों की रक्षा के लिए यही पध्दति सभी प्रकार के पदार्थों के निर्माताओं और विक्रेताओं पर क्यों नही प्रतिबंधित करती ?

लेखक सरदार चरणजीत सिंह सम्पादक

शीर्षकः सोने के आभूषणों पर लेबर, पॉलिश और वेस्टेज चार्जेस- क्या सभी व्यापारों में यह नियम लागू होना चाहिए?

भारत में सोने के आभूषण खरीदते समय ज्वेलर्स लेबर चार्जेस, पॉलिश चार्जेस और वेस्टेज को जोड़कर कीमत तय करते हैं। जब ग्राहक अपने आभूषणों को वापस बेचते हैं या बदलते हैं, तो ज्वेलर्स इन चार्जेस और वेस्टेज का पैसा काटकर केवल सोने का मूल्य वापस देते हैं। यह प्रक्रिया केवल सोने के आभूषणों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह एक व्यापक उपभोक्ता अधिकार का मुद्दा है, जिस पर विचार करना आवश्यक है। भारत सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए और उपभोक्ता के आर्थिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए क्या इसे सभी उत्पादों और उद्योगों में लागू करना चाहिए?

सोने के आभूषणों में लेबर चार्ज और वेस्टेज का मुद्दा: सोने के आभूषणों का निर्माण जटिल प्रक्रिया है। डिजाइनिंग, मोल्डिंग, कास्टिंग, पॉलिशिंग और फिनिशिंग जैसी प्रक्रियाओं में कुशल कारीगरों का समय और मेहनत लगती है। इसीलिए ज्वेलर्स लेबर चार्ज और पॉलिश चार्ज लेते हैं। इसके अलावा, सोना एक बहुमूल्य धातु है और इसे डिजाइनिंग के दौरान कुछ मात्रा में वेस्टेज होती है। इस वजह से, ज्वेलर्स वेस्टेज का भी पैसा लेते हैं। जब ग्राहक अपने आभूषण बेचते हैं या एक्सचेंज करते हैं, तो ज्वेलर्स केवल शुद्ध सोने का मूल्य वापस देते हैं और लेबर चार्ज, पॉलिश चार्ज और वेस्टेज की लागत काट लेते हैं। यह एक प्रकार से न्यायसंगत प्रतीत होता है, क्योंकि वह सोना अब नए आभूषणों में परिवर्तित किया जाना है, जिसके लिए फिर से वही प्रक्रियाएं दोहराई जाएंगी।

यह प्रक्रिया अन्य उद्योगों में क्यों नहीं लागू होती?

कई अन्य उपभोक्ता उत्पादों के उत्पादन में भी श्रम, समय, और वेस्टेज की लागत होती है, जैसे कि इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फर्नीचर आदि। लेकिन जब ग्राहक इन उत्पादों को वापस बेचते हैं या बदलते हैं, तो उन्हें केवल उसी उत्पाद का मौजूदा मूल्य दिया जाता है, न कि निर्माण या श्रम लागत घटाई जाती है। अगर सोने के आभूषणों के मामले में यह प्रणाली लागू है, तो यह अन्य उद्योगों में भी लागू क्यों नहीं होती? इसका एक कारण यह हो सकता है कि सोने की कीमत लगातार बदलती रहती है और अन्य उत्पादों की कीमतें स्थिर रहती हैं। साथ ही, सोने का बाजार पुनः बिक्री के लिए ज्यादा खुला होता है, जबकि अन्य उत्पादों के लिए सेकंड-हैंड बाजार सीमित होते हैं।

सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए?

उपभोक्ता सुरक्षा कानूनों में बदलाव- सरकार को उपभोक्ता संरक्षण कानूनों में ऐसे प्रावधान जोड़ने चाहिए जिससे उपभोक्ताओं को हर प्रकार की वेस्टेज और अनावश्यक चार्जेस से सुरक्षा मिल सके।

लेबर और वेस्टेज की पारदर्शिता- सभी उद्योगों में उत्पादन के समय ग्राहकों को लेबर और वेस्टेज की पूरी जानकारी दी जानी चाहिए। सोने की तरह, अगर किसी अन्य उत्पाद में भी महत्वपूर्ण वेस्टेज होती है, तो वह जानकारी उत्पाद की कीमत में साफ तौर पर दिखाई देनी चाहिए।

रिफंड और एक्सचेंज नीतियां: हर उद्योग में सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जब ग्राहक कोई उत्पाद वापस करता है, तो उसे निष्पक्ष मूल्य मिले और उत्पाद से जुड़ी सभी चार्जेस का सही हिसाब हो।

निष्कर्ष

भारत में सोने के आभूषण खरीदने और बेचने की प्रक्रिया के दौरान चार्जेस और वेस्टेज का मुद्दा एक महत्वपूर्ण विषय है, जो उपभोक्ता के आर्थिक अधिकारों से जुड़ा है। हालांकि यह प्रक्रिया सोने के व्यापार में आम है, इसे अन्य उद्योगों में क्यों नहीं लागू किया जाता, इस पर विचार करने की आवश्यकता है। सरकार को सभी उपभोक्ता उत्पादों के लिए ऐसे कानून और नियम बनाने चाहिए जो उपभोक्ता के हितों की सुरक्षा करें और सभी प्रकार के अतिरिक्त चार्जेस से पारदर्शिता बनी रहे। इससे न केवल उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा होगी, बल्कि उत्पादों की मूल्य निर्धारण प्रक्रिया भी साफ और स्पष्ट होगी।

भारत सरकार सभी बिमारियों के मित्र स्वास्थ्य के शत्रु सभी प्रकार के सॉफ्टड्रिंक्स और पैकेज जूस का निर्माण बंद क्यों नही करना चाहती !

क्या सरकार भारत की पब्लिक के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करना चाहती है ? भारत सरकार– बीमारियों के मित्र, स्वास्थ्य के शत्रु ?

सम्पादक की कलम से

भारत में आधुनिक जीवनशैली के साथ उपभोग करने योग्य उत्पादों की मांग बढ़ी है, और इनमें सॉफ्टड्रिंक्स व पैकेज्ड जूस की खपत भी शामिल है। इन पेय पदार्थों को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है, क्योंकि इनमें अत्यधिक चीनी, केमिकल्स और प्रिजर्वेटिव्स होते हैं, जो मोटापा, मधुमेह, दिल की बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनते हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि भारत सरकार क्यों इनका निर्माण और वितरण बंद नहीं करती? क्या इसके पीछे कोई आर्थिक या राजनीतिक कारण हैं, या फिर सरकार सचमुच पब्लिक के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है?

1. आर्थिक पक्ष-

सॉफ्टड्रिंक्स और पैकेज्ड जूस के उद्योग भारत में एक बड़ा और संगठित क्षेत्र है, जो लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है। इस क्षेत्र में काम करने वाली बड़ी कंपनियां और उनके सप्लाई चैन सिस्टम भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। इन कंपनियों से सरकार को भारी टैक्स और शुल्क प्राप्त होता है, जिससे राजस्व में वृद्धि होती है सरकार इन उद्योगों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने में हिचकिचाती है क्योंकि इसका सीधा प्रभाव राजस्व पर पड़ेगा। साथ ही, इस कदम से उन लोगों के लिए बेरोजगारी की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है, जो इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इस कारण सरकार आर्थिक पहलू को ध्यान में रखते हुए इन उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से बचती है।

2. उपभोक्ता स्वतंत्रता और व्यक्तिगत चुनाव-

सॉफ्टड्रिंक्स और पैकेज्ड जूस जैसी वस्तुएं उपभोक्ताओं के व्यक्तिगत चुनाव का हिस्सा हैं। सरकार को इस प्रकार के उपभोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना एक विवादास्पद मुद्दा बन सकता है, क्योंकि यह नागरिक स्वतंत्रता का हनन करने के समान हो सकता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार को नागरिकों की स्वतंत्रता का सम्मान करना पड़ता है, और व्यक्तिगत चुनावों पर अंकुश लगाना आसान नहीं होता। हालांकि, सरकार इन उत्पादों के अधिक सेवन से होने वाले स्वास्थ्य खतरों के प्रति जागरूकता अभियान चला सकती है और इस दिशा में काम भी करती है। लेकिन पूर्ण प्रतिबंध लगाना एक कड़ी कार्रवाई होगी, जो जनता में असंतोष उत्पन्न कर सकती है।

3. स्वास्थ्य पर प्रभाव और नीतिगत असंतुलन: यह सही है कि सॉफ्टड्रिंक्स और पैकेज्ड जूस में अत्यधिक चीनी और केमिकल्स होते हैं, जो लंबे समय में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। मोटापा, मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियाँ इन पेय पदार्थों से जुड़ी होती हैं, और इसके बावजूद इनका निर्माण और वितरण जारी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ और वैज्ञानिकों का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि इन पेय पदार्थों पर कड़ी निगरानी और सीमित खपत की सलाह दी जानी चाहिए। कई देशों में सरकारों ने इन उत्पादों पर ÷शुगर टैक्स÷ लगाया है, ताकि उनकी कीमत बढ़ाई जा सके और उपभोक्ताओं को इन्हें खरीदने से रोका जा सके। हालांकि, भारत में ऐसी कोई ठोस नीति अभी तक लागू नहीं की गई है। यह दिखाता है कि नीतिगत स्तर पर अब भी असंतुलन है।

4. वैकल्पिक समाधान: पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय, सरकार को वैकल्पिक उपायों पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं-

शुगर टैक्स का प्रावधान- कई विकसित देशों में सॉफ्टड्रिंक्स और हाई-शुगर पेय पदार्थों पर कर लगाया गया है। भारत सरकार भी इस मॉडल को अपनाकर ऐसे उत्पादों पर अतिरिक्त कर लगा सकती है, जिससे उनकी कीमत बढ़ जाएगी और उपभोक्ता इन्हें कम खरीदेंगे।

जागरूकता अभियान- सॉफ्टड्रिंक्स और पैकेज्ड जूस के दुष्प्रभावों के बारे में व्यापक जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। सरकार स्वास्थ्य विशेषज्ञों और डॉक्टरों के माध्यम से लोगों को यह समझा सकती है कि ऐसे उत्पाद दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं।

स्वस्थ विकल्पों का प्रोत्साहन- सरकार को सॉफ्टड्रिंक्स और पैकेज्ड जूस के स्वस्थ विकल्पों को प्रोत्साहित करना चाहिए, जैसे ताजे फल और सब्जियों से बने जूस, नारियल पानी, और घरेलू पेय पदार्थ। इसके लिए सब्सिडी और टैक्स में छूट दी जा सकती है, ताकि ये विकल्प सस्ते और अधिक पहुंच योग्य बनें।

5. उद्योग और नीति निर्धारण पर दबाव-

भारत में सॉफ्टड्रिंक और जूस उद्योग पर कोई सीधा प्रतिबंध न लगाने का एक बड़ा कारण यह भी है कि इन उद्योगों का राजनीतिक और कॉर्पोरेट दबाव काफी मजबूत है। बड़ी कंपनियां नीतिगत फैसलों को प्रभावित करने के लिए लॉबिंग करती हैं, और उनका प्रभाव सरकारी नीतियों में देखा जा सकता है। सरकारें आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए इन उद्योगों को सहयोग देती हैं, जिससे वे प्रतिबंधों के बजाय नरम नीतियों को अपनाने की कोशिश करती हैं।

निष्कर्ष-

भारत सरकार सॉफ्टड्रिंक्स और पैकेज्ड जूस पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लगाना चाहती क्योंकि इसके पीछे आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक जटिलताएँ हैं। हालाँकि, इसका यह मतलब नहीं है कि सरकार पब्लिक के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। सरकार को इन उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति अधिक सतर्क होना चाहिए और ऐसे नीतिगत कदम उठाने चाहिए, जो जनता के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन बनाए रखें। स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, शुगर टैक्स जैसे नीतिगत उपायों को लागू करना और जागरूकता अभियान चलाना वे कदम हैं, जिनसे सरकार सॉफ्टड्रिंक्स और पैकेज्ड जूस के दुष्प्रभावों को नियंत्रित कर सकती है।

भारत सरकार सभी प्रकार की दवाइयों के निर्माण मूल्य से सैकड़ों गुना अधिक दामों पर ग्राहकों को बेचने पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगती ?

सम्पादक की कलम से

क्या सरकारी एजेंसियां, सुपर स्टाकिस्ट, डीलर और रिटेलर मिलकर भारत की जनता को ऐसे ही लूटते रहेंगे ?

भारत सरकार और दवाइयों की मूल्य निर्धारण नीति- जनता की लूट या आर्थिक मजबूरी?

भारत में दवाइयों के मूल्य निर्धारण का मुद्दा समय-समय पर उठता रहा है। जनता अक्सर शिकायत करती है कि दवाइयाँ बहुत महंगी होती हैं और उनकी वास्तविक निर्माण लागत से सैकड़ों गुना अधिक कीमत पर बेची जाती हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्यों सरकार दवाइयों की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम नहीं उठाती? क्या सरकार और उसकी एजेंसियां सुपर स्टॉकिस्ट, डीलर, और रिटेलरों के साथ मिलकर जनता को लूटने में लगी हैं? या फिर इसके पीछे कोई और आर्थिक और नीतिगत कारण हैं?

1. दवाइयों की मूल्य निर्धारण प्रक्रिया-

दवाइयों की कीमतों को नियंत्रित करने की एक कानूनी प्रक्रिया है, जिसे भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (हृक्कक्क) के तहत संचालित किया जाता है। हृक्कक्क का काम आवश्यक दवाओं की कीमतों को सीमित करना है, ताकि आम जनता को ये दवाइयाँ उचित मूल्य पर मिल सकें। इसके बावजूद, कई दवाइयाँ ऐसी हैं, जिनकी कीमतें बहुत अधिक हैं और यह आम जनता के लिए बड़ी समस्या बन जाती है। इसके पीछे एक कारण यह है कि हर दवा हृक्कक्क के अधीन नहीं आती। केवल कुछ आवश्यक दवाइयाँ (जिन्हें राष्ट्रीय आवश्यक दवाइयों की सूची या हृड्डह्लद्बश्ठ्ठड्डद्य रुद्बह्यह्ल शद्ध श्वह्यह्यद्गठ्ठह्लद्बड्डद्य रूद्गस्रद्बष्द्बठ्ठद्गह्य, हृरुश्वरू में शामिल किया जाता है) की कीमतें नियंत्रित की जाती हैं, जबकि बाकी दवाइयाँ बाजार के खुले प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य निर्धारण के अंतर्गत आती हैं। यह खुला बाजार प्रणाली निर्माताओं और वितरकों को अपनी मर्जी से मूल्य तय करने का अवसर देती है।

2. मूल्य निर्धारण में कई चरणों की भूमिका-

दवाइयों की उच्च कीमत का कारण केवल निर्माताओं द्वारा तय किया गया मूल्य नहीं होता, बल्कि इसमें कई अन्य चरण भी शामिल होते हैं-

सुपर स्टॉकिस्ट और डीलरों की भूमिका- निर्माताओं से दवाइयों की खरीदी के बाद, ये दवाइयाँ सुपर स्टॉकिस्ट और डीलरों के माध्यम से रिटेल स्टोर तक पहुँचती हैं। इस प्रक्रिया में हर स्तर पर लाभांश जोड़ा जाता है, जो अंतिम उपभोक्ता कीमत को बढ़ा देता है।

मूल्य श्रृंखला में लाभ- सुपर स्टॉकिस्ट, डीलर, और रिटेलर, हर एक चरण में अपना लाभ जोड़ते हैं। इससे दवाइयों की कीमत निर्माण लागत से कई गुना बढ़ जाती है। दवा निर्माण और बिक्री के बीच का अंतर इतना बड़ा हो जाता है कि उपभोक्ता को बहुत ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है।

ब्रांडेड और जेनरिक दवाइयों का अंतर- ब्रांडेड दवाइयाँ, जो बड़े फार्मास्युटिकल कंपनियों द्वारा निर्मित होती हैं, अक्सर जेनरिक दवाइयों की तुलना में बहुत महंगी होती हैं। इसका कारण इन कंपनियों द्वारा किए गए शोध और विकास, मार्केटिंग और ब्रांडिंग पर खर्च किया गया धन होता है। हालाँकि, जेनरिक दवाइयाँ सस्ती होती हैं, लेकिन उनका इस्तेमाल अधिक नहीं होता क्योंकि डॉक्टर अक्सर ब्रांडेड दवाइयाँ लिखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिक्स एनएसए सम्मेलन में शामिल होने अजीत डोभाल जाएंगे रूस

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) शिखर सम्मेलन अक्टूबर में कज़ान में रूस की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले, अजीत के. डोभाल अगले सप्ताह रूस का दौरा करेंगे। कहा जा रहा है कि इस दौरान रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर चर्चा होगी। सूत्रों के अनुसार, इस यात्रा के दौरान वह अपने चीनी समकक्ष के साथ बैठक भी कर सकते हैं। डोभाल के अपने रूसी समकक्ष और अन्य ब्रिक्स सदस्य देशों के प्रतिनिधियों संग अलग-अलग बैठक की भी संभावना है। इससे पहले उन्होंने 2023 में जोहान्सबर्ग में 13वीं ब्रिक्स एनएसए बैठक में भाग लिया था। पिछले वर्ष पांच नए सदस्य सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, मिस्र और इथियोपिया को समूह में शामिल किया गया था। इसके बाद यह पहली ब्रिक्स एनएसए बैठक होगी। राष्ट्रपति पुतिन के साथ प्रधानमंत्री की फोन पर बातचीत के दौरान यह चर्चा हुई कि प्रधानमंत्री अपनी यूक्रेन यात्रा के बाद शांति से जुड़े विचारों पर चर्चा करने के लिए अपने एनएसए को रूस भेजेंगे। इसी के मद्देनजर एनएसए अजीत डोभाल रूस की यात्रा करेंगे। ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक, ब्रिक्स राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस बैठक के तहत, राष्ट्रीय सुरक्षा पर उच्च प्रतिनिधि आतंकवाद, साइबर सुरक्षा, शांति और स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के साथ-साथ ब्रिक्स देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करते हैं। ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) सुरक्षा मुद्दों पर संवाद बढ़ाने और सूचनाओं का आदान-प्रदान करने के लिए 2009 से बैठक कर रहे हैं। ब्रिक्स देशों ने तेजी से आतंकवाद विरोधी रणनीति विकसित की है। इस रणनीति का उद्देश्य आतंकवाद विरोधी सहयोग के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को मजबूत करना और हिंसक आतंकवाद के खतरे को रोकने और उससे निपटने के वैश्विक प्रयासों में सार्थक योगदान देना है। बता दें कि 2020 में वैश्विक स्थिरता, साझा सुरक्षा और अभिनव विकास के लिए ब्रिक्स साझेदारी जैसे विषयों पर मंथन के लिए ब्रिक्स एनएसए की 10वीं बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान, प्रतिभागियों ने वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा आईसीटी के उपयोग में सुरक्षा से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विचारों का गहन आदान-प्रदान किया। एनएसए ने आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद, अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध और अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए ब्रिक्स के भीतर व्यावहारिक सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर भी चर्चा की।

श्रीलंकाई नौसेना ने भारत के 14 मछुआरों को किया गिरफ्तार

चेन्नई, एजेंसी। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 14 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया। नौसेना ने मछुआरों की नौकाओं को भी जब्त कर लिया। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद मछुआरों के परिवारों और स्थानीय लोगों ने तमिलनाडु के पुदुकोट्टई जिले के जेगथापट्टिनम में रविवार को विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि मछुआरों को शनिवार रात गिरफ्तार किया गया। मणिकांतन ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, हमारे भाइयों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किया जा रहा है। जिससे अब मछली पकड़ने के लिए समुद्र में प्रवेश करने और अपनी आजीविका के नियमित साधनों को चलाने के बारे में मछुआरे चिंतित हैं। हमारे सामने गंभीर स्थिति पैदा हुई, लेकिन, राज्य और केंद्र सरकार ध्यान नहीं दे रही है। मछुआरों की तीन नौकाओं को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा जब्त कर लिया गया था। भले ही मछुआरों को श्रीलंका में कुछ दिनों की न्यायिक हिरासत के बाद रिहा कर दिया जाए, लेकिन हमारी नौकाओं को नहीं छोड़ा जाएगा। आगे नौकाओं को लंका सरकार द्वारा जब्त कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 14 मछुआरों की गिरफ्तारी के विरोध में मछुआरे और उनके परिवार के सदस्य सड़कों पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार करने और नेदुनथीवु के पास मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

नेकां और कांग्रेस के बीच यह गठबंधन सिद्धांतों पर आधारित नहीं है : महबूबा मुफ्ती

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव पूर्व नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस के बीच हुए गठबंधन को पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि नेकां और कांग्रेस के बीच यह गठबंधन सिद्धांतों पर आधारित नहीं है, बल्कि यह सत्ता साझा करने का एक समझौता मात्र है। अगर यह सिद्धांतों पर आधारित गठबंधन होता तो कोकरनाग कांग्रेस की सीट होती। नेकां ने यह सीट कांग्रेस के लिए छोड़ तो दी, लेकिन अपना उम्मीदवार निर्दलीय के रूप में मैदान में उतारा। अनंतनाग जिले के कोकरनाग विधानसभा क्षेत्र में चुनावी रैली में महबूबा ने तंज कसा कि एक समय में नेकां ने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सामाजिक बहिष्कार किया था। कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बेटियों को तलाक तक दे दिया गया।

किसानों की बढ़ेगी आमदनी विदेश पर भी कम होगी निर्भरता

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार झारखंड और छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों और आदिवासी क्षेत्रों में दलहन की खेती (विशेष रूप से अरहर और उड़द) को प्रोत्साहित कर रही है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य दलहन के राष्ट्रीय उत्पादन को बढ़ाने के साथ किसानों की आय में वृद्धि करना है। यह एक तरह का पायलट प्रोजेक्ट है और अगर यह सफल रहता है तो इसका देशभर में विस्तार किया जाएगा। सरकार की इस पहल से दलहन के आयात पर भारत की निर्भरता कम हो सकती है। परियोजना के संचालन काम संभालने वाली भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) ने झारखंड में चार और छत्तीसगढ़ में पांच जिलों को चिह्नित किया है।

इन जिलों को किया गया है शामिल : एनसीसीएफ की प्रबंध निदेशक अनीस जोसेफ चंद्रा ने बताया, हम झारखंड और छत्तीसगढ़ के चुनिंदा नक्सल प्रभावित और आदिवासी क्षेत्रों में इस खरीफ सीजन में अरहर और उड़द उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। लक्षित जिलों में छत्तीसगढ़ का राजनंदगांव, जसपुर, बस्तर और मोहला मानपुर और झारखंड में पलामू, कटिहार, दुमका और गरवा शामिल हैं। चालू खरीफ सीजन के लिए संकर बीज वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को सहकारी समिति को अपनी उपज बेचने के लिए एनसीसीएफ के ई-संयुक्त पोर्टल पर पहले से पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जो किसान तकनीक से इतना परिचित नहीं है, उनके लिए ऑफलाइन आवेदन उपलब्ध हैं। एनसीसीएफ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर दालों की खरीद करेगा, लेकिन अगर बाजार मूल्य एमएसपी से अधिक है तो किसान निजी व्यापारियों को बेच सकते हैं।

आय में सुधार, आयात में भी आएगी कमी : चंद्रा ने कहा, सुनिश्चित खरीद किसानों को खेती का विस्तार करने और अपनी आय में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित करेगी, जबकि भारत के दाल आयात को कम करने में मदद करेगी। सरकारी स्टॉक के लिए दालों की खरीद करने वाला एनसीसीएफ को इस पहल के माध्यम से अपने लक्ष्य की आधी मात्रा प्राप्त करने की उम्मीद है।

17 लाख से अधिक पाम आयल पौधे लगाए गए : राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-आयल पाम के तहत चलाए गए अभियान के तहत विभिन्न राज्यों में 12,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में 17 लाख से अधिक पाम आयल पौधे लगाए गए हैं। 15 जुलाई को शुरू किए गए इस अभियान ने देश में पाम आयल की खेती को बढ़ाने की दिशा में विभिन्न राज्य सरकारों और पाम आयल प्रोसेसिंग कंपनियों के सामूहिक प्रयासों को दिखाता है। 15 सितंबर, 2024 तक चलने वाले इस अभियान में आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, कर्नाटक, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा सहित कई राज्यों से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई है। अगस्त 2021 में केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए खाद्य तेलों के लिए राष्ट्रीय मिशन-आयल पाम का उद्देश्य पाम आयल की खेती का विस्तार करना और कच्चे पाम तेल के उत्पादन को बढ़ावा देना है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और नंबर एक वनस्पति तेल आयातक है और यह अपनी लगभग 60 प्रतिशत जरूरतों को आयात के माध्यम से पूरा करता है। इसका एक बड़ा हिस्सा पाम आयल और इसके डेरिवेटिव हैं, जिन्हें इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात किया जाता है।

नक्सलवादियों का होगा खात्मा! छत्तीसगढ़ भेजे जाएंगे 4000 से ज्यादा सीआरपीएफ जवान

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) छत्तीसगढ़ के बस्तर के सबसे अधिक नक्सल-हिंसा प्रभावित क्षेत्र में 4,000 से अधिक कर्मियों की चार और बटालियनें तैनात करने जा रहा है। यह देश को 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह से नक्सलवाद से मुक्त करने की रणनीति का हिस्सा है। गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों रायगढ़ में कहा था कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई अंतिम चरण में है और इसे खत्म करने के लिए कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। केंद्र नक्सलवाद (वामपंथी उग्रवाद) का खात्मा करने को प्रतिबद्ध है। बता दें कि वामपंथी उग्रवाद को कभी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा कहा जाता था। देश के सबसे बड़े बल ने छत्तीसगढ़ में इन चार बटालियनों समेत 40 बटालियन तैनात की हैं। साथ ही कोबरा के जवान भी तैनात किए हैं। इस साल सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 153 नक्सली मारे जा चुके हैं।आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि सीआरपीएफ ने झारखंड से तीन और बिहार से एक बटालियन को वापस बुलाया है और इन्हें छत्तीसगढ़ भेजा जा रहा है। इनकी तैनाती प्रदेश की राजधानी रायपुर से करीब 450 से 500 किलोमीटर दक्षिण स्थित बस्तर क्षेत्र में की जाएगी। सीआरपीएफ को देश में प्रमुख आंतरिक सुरक्षा और नक्सल विरोधी अभियान बल के तौर पर जाना जाता है। झारखंड एवं बिहार में नक्सली हिंसा की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और घटनाएं नगण्य हैं। इसलिए इन बटालियनों को वहां से हटाकर छत्तीसगढ़ में तैनात किया जा रहा है, जहां अब नक्सल विरोधी अभियान केंद्रित हैं। बता दें कि सीआरपीएफ की एक बटालियन में करीब 1,000 जवान होते हैं। सूत्रों ने बताया कि इन इकाइयों को दंतेवाड़ा और सुकमा के दूरदराज के जिलों और ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के साथ लगती सीमा पर तैनात किया जा रहा है।

बजरंग पूनिया को कांग्रेस छोड़ने और जान से मारने के मिली धमकी

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस में हाल में शामिल हुए ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी मिली है जिसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने बताया कि पूनिया को विदेशी नंबर से सोशल मीडिया मंच 'व्हाट्सऐप' पर धमकी दी गई है. पुलिस के मुताबिक, बजरंग को दी गई धमकी में लिखा है कि बजरंग कांग्रेस छोड़ दो वरना तेरे और तेरे परिवार के लिए अच्छा नहीं होगा. ये हमारा आखिरी संदेश है. बजरंग ने सोनीपत के बहालगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई है. बजरंग पूनिया धमकी मामले की जांच में जुटी पुलिस सोनीपत एसपी रविंद्र सिंह ने बताया, बजरंग पुनिया ने बहालगढ़ थाने में शिकायत दी है कि उन्हें एक विदेशी नंबर से धमकी भरा मैसेज मिला है. कानूनी कार्रवाई चल रही है. किसी अज्ञात व्यक्ति ने धमकी दी है, जांच चल रही है. हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का राजनीति में प्रवेश हुआ है. दिल्ली में शुक्रवार को दोनों कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए. विनेश फोगाट को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जुलाना विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है. जबकि पुनिया को अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया. पुनिया ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता, जबकि विनेश फोगट पिछले महीने पेरिस में ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला पहलवान बनीं।

गठबंधन की जीत के बाद मुख्यमंत्री नेशनल कांफ्रेंस का होगा लेकिन चुनाव के बाद होने वाली चीजों का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता: तारिक हमीद करा

जम्मू-कश्मीर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद करा ने कहा कि विधानसभा चुनाव सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं हैं बल्कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और विधानसभा को अधिकार देने के लिए भी हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन की जीत के बाद मुख्यमंत्री नेशनल कांफ्रेंस का होगा लेकिन चुनाव के बाद होने वाली चीजों का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता। पीटीआई, श्रीनगर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी जम्मू-कश्मीर के प्रधान तारिक हमीद करा ने कहा कि विधानसभा का चुनाव सिर्फ सरकार बनाने जा रहे नेताओं को एडजेस्ट करने के लिए नहीं है, बल्कि जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और विधानसभा को अधिकार देने व हमारी खोए हुए सामान को वापस लाने के लिए है।

गठबंधन के जीतने के बाद मुख्यमंत्री नेकां का होगा, संबंधी प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद होने वाली चीजों का हम पूर्वानुमान नहीं लगा सकते। उन्होंने कहा कि नेशनल कांग्रेस जम्मू कश्मीर में सरकार बनाएगी और 90 विधानसभा सीटों में बहुमत हासिल करेगी। महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी इसमें बाधा नहीं बन सकती।

गुलाम नबी आजाद की पार्टी का कोई भविष्य नहीं : उन्होंने कहा कि गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी एक बंद मामला है और उसका कोई भविष्य नहीं है। मैं यह बात रिकॉर्ड पर कह सकता हूं कि यह एक बंद मामला है इस पार्टी का कोई भविष्य नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि नेशनल कांफ्रेंस गठबंधन में मुख्य सहयोगी है और इससे नतीजे पर पहुंचा जाए कि मुख्यमंत्री नेकां से होगा, इसके जवाब में करा ने कहा कि हमारा यह सहयोग चुनाव पूर्व गठबंधन है और जब परिणाम आएंगे तो पता चलेगा।

बीजेपी ने पहले मान ली हार : हम चीजों के बारे में भविष्यवाणी नहीं कर सकते जो चुनाव के बाद होनी है। जब उनसे पूछा गया कि आप मुख्यमंत्री की रेस में हैं तो उन्होंने कहा कि इस बारे में कुछ नहीं कह सकते। जम्मू कश्मीर में उपराज्यपाल को अधिक अधिकार दिए जाने पर उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने यह महसूस किया है कि उसकी सरकार नहीं बनने वाली है इसीलिए पहले ही उपराज्यपाल को अधिक अधिकार दे दिए गए। यह राजनीति से प्रेरित प्रयास था। जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करवाना मुख्य मुद्दा उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करवाना मुख्य मुद्दा है। यहां तक सरकार के अधिकारों को कम करने की बात है तो हम इसकी समीक्षा करेंगे और विधानसभा इस पर फैसला करेगी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव विकास आधारित मुद्दों पर नहीं है। उपराज्यपाल के नेतृत्व में भी विकास हुआ है। राज्यपाल के शासन के दौरान भी विकास हुआ है। यह अलग तरह का चुनाव है। आतंकवाद पर बोले- भारत सरकार की नाकामी जम्मू कश्मीर में सुरक्षा हालात पर तारिक हमीद करा ने कि भाजपा स्थिति सामान्य होने के दावे करती हैं लेकिन जमीन सतह पर की जानकारी सब को है। आतंकवाद कश्मीर से शिफ्ट होकर जम्मू में फैला है। यह भारत सरकार और स्थानीय प्रशासन की नाकामी है। पिछले कुछ महीनों से देखा गया है कि जम्मू संभाग में नुकसान हुआ है। यह एक शांतिपूर्ण क्षेत्र था सरकार को अपनी नाकामी की नैतिक जिम्मेदारी को स्वीकार करना चाहिए। चुनावी घोषणा पत्र में भाजपा के वायदों पर उन्होंने कहा कि वह कश्मीर के हालात को बेच रहे हैं लेकिन अब हालात बदल चुके हैं।

राजस्थान के अरावली में दिखा दुर्लभ सफेद पूंछ वाले गिद्धों का झुंड

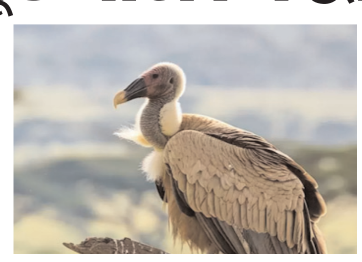

जयपुर, एजेंसी। बायना मिस्त्र और अरावली पहाड़ भारतीय गिद्धों के लिए जाना जाता है। हाल में अरावली में विश्व वन्यजीव कोष ने लगभग 20 गिद्धों को देखा है। दरअसल गिद्धों की गठना इसलिए किए जा रही है, क्योंकि इनकी संख्या लगातार पिछले कुछ वर्षों के भीतर तेजी से घटी है। ऐसे में सर्वे के जरिए ये जानने की कोशिश आखिर किन कारणों के चलते ऐसी स्थिति बनी है। अरावली में जिस गिद्ध को देखा गया वे बंगालेंसिस गिद्ध हैं, जिन्हें सफेद-पुच्छ वाले गिद्ध के रूप में जाना जाता है। उनमें से था जिन्हें देखा गया था। दरअसल,31 अगस्त को, वन्यजीवों के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ने गिद्ध गणना 2024 शुरू की, एक राष्ट्रव्यापी नागरिक-विज्ञान पहल जिसे भारत की तेजी से घटती गिद्ध आबादी की निगरानी और संरक्षण के लिए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम पक्षी गणना भारत के सहयोग से चलाया जा रहा है। गिद्ध चूहों, चूहे और सांप जैसे कीटों को खाकर पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में सहयोग करते हैं। भारतीय गिद्ध, जो अपने रेतीले भूरे रंग के शरीर, काले पंखों और पीले रंग के बिल के लिए जाना जाता है, भोजन की उपलब्धता कम होने, घोंसले के स्थानों के नुकसान और चट्टानों के पास होने वाली गड़बड़ी के कारण एक दुर्लभ दृश्य बन गया है। पिछले तीन सालों से बायना अरावली पहाड़ में इन पक्षियों का अध्ययन करने वाले एक स्थानीय संरक्षणकर्ता के अनुसार, यह क्षेत्र मिस्त्र और भारतीय गिद्धों के लिए उल्लेखनीय है, सर्दियों में हिमालयी गिद्धों के देखे जाने की सूचना भी मिली है। इस क्षेत्र में गिद्ध अक्टूबर में अपने प्रजनन काल शुरू करते हैं, नवंबर में जोड़ी बनाने की गतिविधियाँ होती हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के प्रोजेक्ट ऑफिसर हेमेंद्र कुमार ने कहा कि इस दौरान प्रत्येक जोड़ी आमतौर पर केवल एक अंडा देती है। संरक्षणकर्ता ने ध्यान दिया कि गिद्ध ज्यादातर सूर्योदय और सूर्यास्त के आसपास दिखाई देते हैं। गिद्धों की गणना सूर्योदय के दौरान की जाती है क्योंकि कुछ भोजन के लिए पास के क्षेत्रों में जा सकते हैं और कई दिनों तक वापस नहीं आते हैं। गिद्धों की आबादी में कई कारकों के कारण उल्लेखनीय गिरावट देखी जा रही है।

उच्च तनाव वाले क्षेत्रों में मुख्य रूप से घोंसला बनाने वाले, इन गिद्धों को कृषि कीटनाशक के उपयोग, आवास क्षरण और अन्य पर्यावरणीय दबावों से खतरा है। लाशों को खाकर, गिद्ध वन्यजीवों, पशुधन और मनुष्यों को प्रभावित करने वाले रोगों के प्रसार को रोकते हैं। पशु शवों को विघटित करने में उनकी भूमिका पोषक तत्वों के चक्रण और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। कुमार ने जोर दिया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को अब मानव चिंताओं से परे देखा जा रहा है क्योंकि जानवर और मनुष्य अक्सर एक ही बीमारियों को साझा करते हैं।

दुष्यंत को टक्कर देंगे बृजेंद्र, श्रुति से भिड़ेंगे अनिरुद्ध; कांग्रेस ने 6 सीटों पर बदले उम्मीदवार

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में पांच अक्टूबर को हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इसमें नौ उम्मीदवारों के नाम हैं। ऐसे में अब तक कांग्रेस ने 41 विधानसभा सीट पर अपने प्रत्याशी तय कर दिए हैं। कांग्रेस की 41 की सूची में जातिवार 12 जाट, 9 एससी, 9 ओबीसी, 4 पंजाबी, 3 ब्राह्मण, 3 मुस्लिम और एक सिख शामिल हैं। भाजपा ने 67 सीट पर उम्मीदवार घोषित कर रखे हैं। अब रविवार की सूची में कांग्रेस ने थानेसर से पूर्व विधानसभा स्पीकर एवं पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा पर एक बार फिर से भरोसा जताया है। उचाना सीट से हिसार के पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह को टिकट दिया गया है। बृजेंद्र सिंह पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह के बेटे हैं। उचाना में जननायक जनता पार्टी के टिकट पर पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला चुनाव लड़ रहे हैं। बीरेंद्र सिंह और दुष्यंत चौटाला में पिछले काफी समय से तनातनी चली आ रही है। अब इस सीट पर मुकाबला रोचक हो गया है। गुरुग्राम सीट से कांग्रेस ने पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया का टिकट काट मोहित ग्रोवर को टिकट दिया है। कांग्रेस इससे पहले 32 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुकी है। कांग्रेस उम्मीदवारों की संख्या अब 41 हो गई है। 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए कांग्रेस धीरे-धीरे अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर रही है। उसे डर है कि एक साथ सूची जारी होने से टिकट से वंचित बाकी दावेदारों में असंतोष पैदा हो सकता है। रविवार देर रात दूसरी सूची में कांग्रेस ने छह सीटों पर उम्मीदवार बदले हैं। गन्नौर विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने पूर्व विधानसभा स्पीकर कुलदीप शर्मा को दोबारा टिकट दिया है। बादशाहपुर में भाजपा ने पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री राव नरबीर को टिकट दिया है। निर्दलीय विधायक स्व. राकेश दौलताबाद की धर्मपत्नी कुमुदनी दौलताबाद के भी कांग्रेस का उम्मीदवार बनने की चर्चा थी, लेकिन अब माना जा रहा है कि कुमुदनी अपने पति की तरह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगी। भिवानी जिले की तोशाम विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने चार बार प्रदेश की कमान संभालने वाले पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बंसीलाल के पोते और क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रणबीर महेंद्रा के बेटे अनिरुद्ध चौधरी को चुनावी रण में उतारा है।

असम में जमीनों के सौदों पर कड़े होंगें प्रतिबंध, अवैध शरणार्थियों के किया जाएगा बाहर: हिमंत बिस्व सरमा

गुवाहटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को घोषणा की कि उनकी सरकार उन चुनिंदा राजस्व वृत्तों में भूमि लेनदेन पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून का मसौदा तैयार कर रही है जहाँ केवल राज्य में 1951 से रहने वाले निवासियों को भूमि खरीदने या बेचने की अनुमति होगी। इस पहल का उद्देश्य आदिवासी लोगों के भूमि अधिकारों की रक्षा करना और पात्र भूमिहीन निवासियों को बसेरा उपलब्ध कराना है। सीएम सरमा ने यह घोषणा असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एक नागरिक-केंद्रित सेवा, ई-चिथा भूमि मूल्यांकन प्रमाणपत्र पोर्टल के शुभारंभ के दौरान की। उन्होंने कहा, हम उन राजस्व वृत्तों की पहचान करने की योजना बना रहे हैं जहाँ केवल उन व्यक्तियों द्वारा भूमि लेनदेन किया जा सकता है जिनके परिवार 1951 की मतदाता सूची या एनआरसी में सूचीबद्ध थे। कानून मार्च में पेश किए जाने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने अविभाजित गोलपारा जिले में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग जैसे विशिष्ट समुदायों को लक्षित करने वाले इसी तरह के कानूनों का भी उल्लेख किया। इस जिले में वर्तमान में गोलपारा, धुबरी, बोंगाईगाँव, कोकराझार और दक्षिण सलमारा-मंकाचार जिले शामिल हैं। उन्होंने कहा, मिशन बसुंधरा के कार्यान्वयन

के दौरान ऐसे कई कानून बनाए जाएंगे। सरमा ने कहा, हम एक महत्वपूर्ण दौर में काम कर रहे हैं। हमारे कार्य निर्धारित करेंगे कि क्या हम एक समुदाय के रूप में जीवित रह सकते हैं। मुख्य कृषि भूमि की सुरक्षा के लिए एक नया कानून भी पाइपलाइन में है। एक अन्य संशोधन सरकार की सहमति के बिना गैर-चाय उत्पादन उद्देश्यों के लिए चाय भूमि बेचना दंडनीय अपराध बनाता है। यह असम समझौते के खंड 6 पर न्यायमूर्ति बिप्लब सरमा समिति की रिपोर्ट के अनुरूप है। भूमि से संबंधित अन्य सुधारों पर चर्चा करते हुए, सरमा ने घोषणा की कि मिशन बसुंधरा 3.0 2 अक्टूबर को लॉन्च होगा। नया संस्करण अपने पूर्ववर्तियों से प्राप्त सबक को शामिल करेगा और पिछले संस्करणों के तहत अस्वीकृत आवेदनों का समाधान करेगा। 2 अक्टूबर, 2021 को लॉन्च किया गया पहला संस्करण, लगभग आठ लाख लोगों को लाभान्वित किया, जबकि 14 नवंबर, 2022 को शुरू किया गया दूसरा संस्करण, दो लाख से अधिक लाभार्थियों के पास था।

मिशन बसुंधरा 3.0 में मंदिर, नामघर, युवा क्लब और श्मशान भूमि शामिल होंगे-वे क्षेत्र जो पहले के संस्करणों में शामिल नहीं थे जो व्यक्तिगत भूमि बस्तियों पर केंद्रित थे। गैर-कैडस्ट्रल गांवों के सर्वेक्षण लगभग पूरे हो चुके हैं और इस संस्करण में शामिल होंगे।

सरमा ने राजस्व विभाग में समय पर मुद्दों के समाधान को सुनिश्चित करने के लिए एक एस्केलेशन मॉडल पेश किया। यदि एक अधिकारी द्वारा एक निश्चित समय सीमा के भीतर किसी मामले का समाधान नहीं किया जाता है, तो यह स्वचालित रूप से उच्च अधिकारी के पास चला जाएगा। उन्होंने कहा, सरकारी क्षेत्र में इस मॉडल को पेश करने में असम सबसे आगे है। ई-चिथा भूमि मूल्यांकन प्रमाणपत्र पोर्टल का उद्देश्य लोगों को भूमि स्वामित्व इतिहास की जाँच करने और रिकॉर्ड हेरफेर को रोकने की अनुमति देकर पारदर्शिता बढ़ाना है। इससे विशेष रूप से नई इकाइयाँ स्थापित करने वाले व्यापारिक घरों को लाभ होगा।

सरमा ने भूमि संबंधी प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी बनाने और अधिकारियों के कामकाज को कम करने के लिए उठाए जा रहे विभिन्न अन्य कदमों का उल्लेख करते हुए अपना भाषण समाप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

सातवीं कक्षा के छात्रों ने इंस्टाग्राम पर साथी से मांगी फिरौती- पार्टी की तैयारी में थे सभी

गोरखपुर , एजेंसी। क्षेत्र के एक स्कूल में सातवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों ने अपने एक साथी से इंस्टाग्राम पर फिरौती मांगी। पीड़ित छात्र के बताने पर उसके चाचा जंगल सीकरी निवासी अनिल सिंह ने खोराबार थाने में तहरीर दी। पुलिस की जांच में पता चला कि छात्र पार्टी करने के लिए पैसा जुटा कर रहे थे। इसलिए साथी से पैसे की मांग की। छात्रों के इस करतूत की स्कूल के साथ पूरे इलाके में दिन भर चर्चा होती रही।

अनिल ने तहरीर में लिखा है कि मेरा भतीजा क्षेत्र के एक स्कूल में कक्षा सात में पढ़ता है। उसकी ही कक्षा में पढ़ने वाले दो छात्रों ने शनिवार को सुबह करीब सात बजे इंस्टाग्राम पर धमकी देकर उससे पैसे की मांग की। तब भतीजे ने मुझे सारी बात बताई। आरोप है कि दोनों छात्र मनबढ़ किस्म के हैं, वे पहले भी भतीजे से पैसा मांग चुके हैं।

वहीं, पुलिस का कहना है कि मामला फिरौती का नहीं है। पार्टी मनाने के लिए छात्र आपस में पैसा इक्कट्ठा कर रहे थे। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है, साक्ष्य के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

भदोही में सपा विधायक के आवास पर युवती ने की खुदकुशी, फंदे से लटककर मौत को लगाया गले

भदोही , एजेंसी। सपा विधायक जाहिद बेग के आवास पर एक 18 वर्षीय युवती नाजिया ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। नाजिया विधायक के आवास पर तीसरी मंजिल के एक कमरे में रहती थी। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम के दौरान विडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई है ताकि पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच हो सके। इसके लिए दो डॉक्टरों की एक पैनल बनाई गई है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के असल कारणों का पता चल सकेगा। इस घटना के बाद विधायक के आवास और आसपास के इलाके में गहरी चिंता और शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

जेल में बंदी के सुसाइड का मामला: घर पहुंचा शव, दाह संस्कार न करने पर अड़े परिजन

बलिया , एजेंसी। बलिया जिले के उभांव थाना क्षेत्र के खैराखास मधुबनी मौजा निवासी 24 वर्षीय युवक मुकेश यादव का शव सोमवार सुबह गांव पहुंचा। परिजन शव को न लेने और अंतिम संस्कार न करने पर अड़ गए। एडीएम डीपी सिंह और एसपी अनिल कुमार झा परिजनों को समझते रहे, लेकिन वह सुनने के लिए तैयार नहीं थे। इस दौरान कई बार नोकझोंक की भी स्थिति बन गई। हालात को देखते हुए मौके पर कई थानों की फोर्स के साथ पीएसी भी तैनात की गई। परिजनों का आरोप है कि जिस पास्को एक्ट के मामले में मुकेश को जेल भेजा गया, वो लड़की बालिग है। दोनों ने मंदिर में शादी की थी। लड़की उसकी पत्नी बनकर उसी के घर में रहती है। एडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह व एडिशनल एसपी अनिल कुमार झा सोमवार सुबह मृत युवक के घर पहुंचे।

शव लेने के लिए मृत युवक की पत्नी व अन्य परिजनों को मनाने में घंटो लगे रहे, लेकिन मुकेश के परिजन मुआवजे में एक करोड़ रुपये, दो बीघा जमीन व पत्नी को सरकारी नौकरी देने की मांग पर अड़े रहे। मांग पूरी होने तक अंतिम संस्कार न करने की जिद पर अड़े रहे।

इस संबंध में मुकेश की पत्नी बनकर घर में रह रही लड़की का कहना है कि वह बालिग है। एक निजी कॉलेज से इंटर की पढ़ाई पूरी कर ली है। मुकेश यादव के साथ मंदिर में शादी की है। पिता और भाई शादी पर राजी नहीं हुए और मुकेश पर मुकदमा दर्ज करा दिया।

उभांव पुलिस ने मुकेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। लड़की के बालिक होने व मर्जी से शादी करने के बावजूद पुलिस द्वारा मुकेश पर पास्को एक्ट लगाया गया। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगने लगे हैं। मुकेश को गिरफ्तार करने के बाद पहले बलिया जेल और फिर वहां से मऊ जेल स्थानांतरित किया गया था। मऊ जेल के शौचालय में फांसी लगाकर उसने आत्महत्या कर ली। एसपी विक्रांत वीर ने बताया कि परिजनों को मनाने की कोशिश की जा रही है, मौके पर फोर्स तैनात हैं।

सीएम योगी बोले- पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को यूपी सरकार दे रही सीधी भर्ती

लखनऊ , एजेंसी। प्राचीन काल से ही भारत की परंपरा में खेल और खेलकूद की गतिविधियों को महत्व दिया गया है। भारतीय ऋषि इस बात का उद्घोष करते हैं कि शरीरमाद्यम् खलु धर्म साधनम् यानी धर्म के जितने भी साधन हैं, वह स्वस्थ शरीर से ही संभव हैं। स्वस्थ शरीर के लिए खेलकूद, योगासन, प्राणायाम आदि क्रियाएं अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वस्थ शरीर ही समर्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना को भी साकार कर सकता है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने 73 वें अखिल भारतीय पुलिस रेसलिंग क्लस्टर-2024 के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। सीएम योगी ने प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों का अभिनंदन किया।

दिव्यांग खिलाड़ियों ने मनवाया अपनी प्रतिभा का लोहा

सीएम योगी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत की संकल्पना के लिए जो कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे, उनमें खेल और खेलकूद की गतिविधियां भी महत्वपूर्ण हैं। खेलो इंडिया खेलो, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता, गांव-राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं। हर तबके का व्यक्ति इन आयोजनों के साथ जुड़ रहा है। पेरिस में पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के जज्बे को पूरा देश और दुनिया देख रही है कि कैसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हमारे दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और तेज का लोहा मनवाने का भी काम किया है। यह दृश्य हमारे लिए इसलिए भी प्रसन्नता का है, क्योंकि यह प्रधानमंत्री की एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को भी साकार कर रहा है।

कई बार पराजय भी बड़ी जीत का मार्ग प्रशस्त करता है : सीएम योगी ने कहा कि खेल अपने कार्य के प्रति समर्पण के भाव के साथ तो जोड़ता ही है, साथ ही साथ जीवन में उतार-चढ़ाव के हर एक मोड़ पर जीतने की भी प्रेरणा देता है। अति प्रफुल्लित होकर अन्य के जीवन में बाधा पैदा करने की जो कुत्सित चेष्टाएं होती है, उसे रोकने का सामर्थ्य भी देता है। अगर किसी कारणों से सफलता नहीं प्राप्त हुई तो हर खिलाड़ी के अंदर शालीनता से उसे स्वीकार करने का भी सामर्थ्य भी पैदा करता है और जीवन इसी से चलता है।बहुत बार पराजय भी बड़ी जीत का मार्ग प्रशस्त करता है।

हमें रचनात्मक कार्यों के साथ भी जुड़ना होगा: सीएम ने पुलिस बल के उपस्थित जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा रहा हो या विभिन्न प्रदेशों में कानून व्यवस्था, सुरक्षा का बेहतरीन माहौल बनाने का मुद्दा। पुलिस अपने इन उत्तरदायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ करने का प्रयास करती है, लेकिन इन सभी के बावजूद अन्य ऐसी गतिविधियां जो समाज को जोड़ती हो, एक दूसरे के मन में विश्वास पैदा करती हो, उन आयोजनों के साथ जुड़ना उतना ही रचनात्मक है और इसीलिए केवल पुलिसिंग ही नहीं, बल्कि हमें अन्य रचनात्मक कार्यों के साथ भी जुड़ना होगा।

मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सीधी भर्ती से जोड़ा गया: सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में खेल और खेलकूद की गतिविधियों के लिए व्यापक कार्ययोजना को आगे बढ़ाया है। हम लोगों ने खेल नीति भी बनाई। ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड व विश्व चैंपियनशिप में जो खिलाड़ी मेडल प्राप्त करते हैं, उन्हें सीधी भर्ती के माध्यम में उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बनाने की कार्रवाई हो रही है। अब तक ऐसे 500 से अधिक खिलाड़ियों को हम लोगों ने उत्तर प्रदेश पुलिस में सीधी भर्ती करने की कार्रवाई के साथ जोड़ा है। उनके बेहतरीन प्रदर्शन आज उत्तर प्रदेश पुलिस बल को नई गति देने में योगदान दे रहे हैं। खेलकूद की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए 57000 ग्राम पंचायत में खेल का मैदान, 825 विकास खंडों में मिनी स्टेडियम और 75 जनपदों में स्टेडियम निर्माण के कार्यक्रम को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है।

नाम अलग हो सकते हैं, लेकिन मिशन सबका एक है-भारत की सुरक्षा: सीएम योगी ने कहा कि नाम भले ही अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन सबका कार्य व मिशन एक ही है और वह है भारत की सुरक्षा। यह हम सभी के लिए सर्वोच्च मायने रखती है। भारत नेपाल सीमा हो या भारत भूटान सीमा, वहां पर इन देशों के साथ भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों पर कोई आंच आए बगैर एसएसबी इन सीमाओं की सुरक्षा के लिए बेहतरीन प्रयास कर रहा है। उत्तर प्रदेश के अंदर साढ़े पांच सौ किमी. की सीमा नेपाल से जुड़ी हुई है। उत्तर प्रदेश पुलिस एसएसबी के साथ ज्वाइंट पेट्रोलिंग में भाग लेती है। राष्ट्रीय सुरक्षा का उत्तरदायित्व मिलकर हम एक साथ निभाएंगे तो सीमाओं के क्षेत्र में आमजन का विश्वास भी अर्जित करेंगे। सुरक्षा के साथ कहीं पर कोई खरोच भी नहीं आने देंगे, इस विश्वास के साथ बेहतरीन तालमेल के माध्यम से यह कार्यक्रम आगे बढ़ते हैं तो अनेक रचनात्मक गतिविधियों को भी वहां पर उस क्षेत्रवासियों के लिए एसएसबी द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार, सशस्त्र सीमा बल के डीजी दलजीत सिंह चौधरी आदि मौजूद रहे।

खनन माफिया और उसके गुर्गों में नहीं रहा खाकी का खौफ, पुलिस नेटवर्क तोड़ने में नाकाम

आगरा , एजेंसी। सूबे में खनन माफिया का दुस्साहस नहीं थम रहा। खनन माफिया और उसके गुर्गों में खाकी का खौफ नहीं रहा। शनिवार को खेरागढ़ में इन लोगों ने सिपाही को गोली मारी। घायल सिपाही को ले जा रहे इंस्पेक्टर की गाड़ी में टक्कर मारी और पुलिस को दौड़ाया भी। अफसरों के मूकदर्शक होने को इसकी वजह माना जा रहा है। यह पहली बार नहीं हुआ। पहले भी खनन माफिया बैरियर तोड़ने, पुलिस टीम पर फायरिंग, तहसीलकर्मियों पर हमला, दहशत फैलाने की वारदात कर चुके हैं। इनका नेटवर्क तोड़ने में पुलिस और प्रशासन दोनों नाकाम हैं। राजस्थान सीमा से सटा खेरागढ़ तहसील खनन का सबसे बड़ा अड्डा बन गया है। यहां से होकर राजस्थान से अवैध खनन के वाहन गुजरते हैं।

लोगों का आरोप है कि एसडीएम से लेकर तहसीलदार और एसीपी से लेकर थानेदार तक मूकदर्शक बने रहते हैं। खनन माफिया और उसके गुर्गों का दुस्साहस इसी से बढ़ रहा है। बाह, पिनाहट, किरावली, फतेहपुर सीकरी में भी वारदात हो चुकी हैं।

सीसीटीवी, चेकपोस्ट व अन्य कवायद फेल: चार साल पहले फतेहाबाद में खनन माफिया ने पुलिस पर हमला किया था।

कवच 2.0 से लैस होगी आठ रैक की बनारस-आगरा वंदे भारत एक्सप्रेस, विमान जैसा एहसास करेंगे लोग

वाराणसी , एजेंसी। देश की सेमी हाईस्पीड आगरा-बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस आठ रैक की होगी, जिसमें कवच 2.0 इंस्टाल होगा। इसमें सवार यात्रियों को विमान जैसा एहसास होगा। यह ट्रेन 160 किमी प्रति घंटे की गति पहुंचने में महज 140 सेकेंड का समय लेती है। फिलहाल वंदे भारत ट्रेन की स्पीड 120 तक होगी। जनवरी के बाद यह ट्रेन 160 की गति पकड़ेगी।

रेल अधिकारियों के अनुसार रैक आवंटन के लिए पत्र जारी हो चुका है। इस हफ्ते ट्रेन का रूट ट्रायल और स्पीड ट्रायल शुरू हो जाएगा। खास बात कि कवच 2 से लैस इस रैक में यूवी लैंप के साथ ही उच्च दक्षता कंप्रेसर का उपयोग हुआ है।कोच के अंदर यात्रियों को आरामदायक सीट और परफ्यूम युक्त वाशरूम मिलेगा।

सात घंटे की सफर में यह ट्रेन बनारस से खुलेगी और प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल, इटावा, टूंडला होते हुए आगरा पहुंचेगी। 15 सितंबर को इस ट्रेन का शुभारंभ होना है।

फिलहाल इस ट्रेन के नंबर और बुकिंग को लेकर रेलवे बोर्ड से प्रकिया चल रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि रेलवे बोर्ड की ओर से ट्रेन नंबर और आरक्षण, किराया संबंधी प्रक्रिया चल रही है। बनारस स्टेशन से अपराह्न 3.20 बजे खुलेगी और रात 10.20 बजे आगरा पहुंचेगी। वापसी में आगरा से सुबह छह बजे खुलेगी और दोपहर 1 बजे बनारस पहुंचेगी।

क्या है कवच 2.0: रेल अधिकारियों के अनुसार कवच सिस्टम को रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) ने विकसित किया है। आपातकालीन स्थिति में यदि पायलट सही समय पर ब्रेक नहीं लगा पाता है तो कवच सिस्टम स्वचालित तरीके से खुद ट्रेन को ब्रेक लगाकर रोक सकता है।

10 बदमाशों ने डायल-112 के जवान की लूटी बाइक-पिस्टल

गया में पुलिसकर्मी के साथ मारपीट भी की, पोखर से बाइक हुई बरामद

गया, एजेंसी। गया में दस की संख्या में रहे बदमाशों ने डायल-112 के जवानों से उनकी सरकारी बाइक और पिस्टल लूट लिए। घटना में डायल-112 के जवान सर्वजीत कुमार घायल हुए है। बताया जा रहा है कि बदमाशों के साथ हुई मारपीट के दौरान ही वह जख्मी हुए है। घटना देर रात गया-नवादा रोड स्थित मेहता पेट्रोल पंप के सामने आरओबी के पास की है। बदमाश वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची मुफस्सिल थाना की पुलिस बदमाशों की तलाश में जुट गई है। छानबीन के दौरान सरकारी बाइक को पुलिस ने बरामद कर लिया है। ये पोखर में डूबी पड़ी थी। बाइक के हेड लाइट के ऊपर लगा शीशा सिर्फ नजर आ रहा था।

बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस

घटना की पुष्टि एसडीपीओ सुनील कुमार पाण्डेय ने की है। उन्होंने कहा कि बदमाश की तलाश की जा रही है। जल्द ही इन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस कर्मियों से हुई लूट की सूचना पर एसडीपीओ वजीरगंज सहित मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। वे बदमाशों के भागने वाली सटीक दिशा में छानबीन कर रहे हैं।

लूट के दौरान पुलिस के जवानों से ही भीड़े बदमाश

बताया जाता है कि दस की संख्या में रहे बदमाश एक राहगीर के साथ मारपीट कर छिनतई की वारदात को अंजाम दे रहे थे। इसी बीच गश्ती में रहे डायल 112 की बाइक मौके पर पहुंची। डायल 112 के जवानों को देखते ही बदमाश राहगीर को छोड़ पुलिस के जवानों से ही भीड़ गए। पुलिसकर्मी के साथ मारपीट कर उनका हथियार और बाइक लूट कर मौके से भाग निकले।

बेतिया में शिक्षकों को ले जा रही नाव पलटी, रेसक्यू टीम ने दिखाई तत्परता

बेतिया, एजेंसी। सोमवार की सुबह बेतिया में एक बड़ा नाव हादसा हुआ. यात्रियों से भरी नाव अचानक पलट गयी. नाव पर सवार यात्रियों में करीब 15 स्कूल शिक्षक थे. बेतिया के बैरिया में पटजीरवा घाट पर नाव पलटने के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया. लोग डूबते शिक्षकों को बचाने के लिए नदी में कूद गये. रेसक्यू टीम की तत्परता से 15 शिक्षकों समेत सभी यात्रियों को डूबने से बचा लिया है. इस हादसे में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है. बैरिया थाना क्षेत्र के सरेया मन में इसी साल 14 फरवरी को नाव पलटने से तीन बच्चियों एवं एक किशोरी समेत पांच लोग डूब गये थे. इनमें महिला और दो बच्चियों को बचा लिया गया, लेकिन हादसे में एक बच्ची और किशोरी की मौत हो गई थी. देर रात गोताखोरों ने बलुआ रमपुरवा वार्ड-7 के शंभूचौधरी की पुत्री लालचुन्नी कुमारी (19) व छोटन मुखिया की पुत्री खुशबूकुमारी (11) का शव निकाला. महिला समेत पांचों लोग छोटी नाव से सरेया मन के उस पार कूड़ा घाट से घास काट कर लौट रही थी. जीएमसी अस्पताल चौकी प्रभारी सुधांशु शेखर ने बताया कि पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया.

बच्चा पैदा होने का झांसा देकर 2 महिलाओं से ठगी, जेवरात के साथ दो शातिर अरेस्ट

आरा में 11 दिन पहले हुई थी घटना

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर पुलिस ने निःसंतान महिला को बच्चा पैदा होने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक अंतर जिला गैंग का खुलासा किया है। साथ ही गैंग से जुड़े दो सदस्यों को भी गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मामला गजराजगंज ओपी क्षेत्र से जुड़ा है। यहां 11 दिन पहले महिलाओं से ठगी की घटना हुई थी। ठगी किए गए जेवरातों में से सोने का एक जोड़ा झुमका, सोने का एक जोड़ी बाली, सोने के दो मंगल सूत्र, सोने के दो मांगटिका, मोती गढ़ा माला, दो नया साड़ी और दो पुराना साड़ी बरामद किया है। इसके के अलावा दो हजार रुपए नकद बरामद हुआ है। दो मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। दोनों के खिलाफ दोनों जिलों में पहले के आपराधिक कांडों की खोज की जा रही है। सदर एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि इस मामले में बक्सर जिले के ब्रह्मपुर थाना के महाराजगंज निवासी हरेन्द्र नट की पत्नी सुनीता देवी और भोजपुर के शाहपुर थाना के रानीसागर गांव निवासी वसीम हुसैन को गिरफ्तार किया गया है।

29 अगस्त को हुई थी ठगी की वारदात

सदर एएसपी ने बताया कि 29 अगस्त को गजराजगंज ओपी के कारीसाथ गांव निवासी परमात्मा सिंह की पत्नी सुमन देवी अपने घर में गोतनी के साथ अकेली थी। इस दौरान एक अनजान महिला घर में प्रवेश करती है। उसने कहा कि परमात्मा सिंह का घर यहीं है। अनजान महिला ने कहा कि शादी के सात साल बाद भी बच्चा नहीं हो रहा है, उसी को लेकर वह देखने आई है। शातिर महिला ने सुमन देवी और गोतनी को यह कहकर झांसा दिया कि शादी में मिले सोने के जेवरात पर किसी ने भभूत डालकर जादू-टोना कर दिया है। इसलिए दोनों को बच्चा पैदा नहीं हो रहा है। ठग ने पीड़िता से शादी में मिले सारे आभूषण, दो नया साड़ी और दो बदन पर पहना हुआ पुराना साड़ी मांगा और कहा कि शीतला माता के पास चढ़ाकर ला देंगे, तो दोनों को लड़का पैदा हो जाएगा।

पीड़िता के पति को नौकरी लगने का भी दिया झांसा

शातिर महिला ने पीड़िता के पति को नौकरी लगने का भी झांसा दिया गया। ठग महिला ने अपने आंचल से लौंग निकालकर पीड़ित महिला और उसकी गोतनी को खिला दिया। लौंग खाते ही दोनों का मन बदल गया। झांसा में आकर सोने के जेवरात व साड़ी समेत सारा सामान दे दिया। बाद में परिवार के अन्य सदस्यों को जानकारी होने पर ठगी का एहसास हुआ। गजराजगंज (उदवंतनगर) थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। गिरफ्तारी को लेकर गजराजगंज ओपी प्रभारी हरी प्रसाद के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने वैज्ञानिक अनुसंधान के जरिए शाहपुर ब्लाक के पास स्थित एक घर से सुनीता देवी ठगी के सारे सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया। बाद में महिला की निशानदेही पर उसके सहयोगी रानीसागर गांव निवासी वसीम कुरैशी को भी धर दबोचा गया। ओपी प्रभारी ने बताया कि दोनों गोतनी निःसंतान है। इसलिए झांसा देकर ठगी की घटना को अंजाम दिया है।

A1 REH LIVE 24/7 NEWS
9213247209
bharatbachao9@gmail.com,
rustamehindhindinews@gmail.com,
A1REH NEWS
A1REH NEWS
आपकी बात चरणजीत सिंह के साथ
Website: www.rehnews.com,
https://www.facebook.com/rehnewschannel
https://www.youtube.com/@A1REHNEWS
SUBSCRIBE
सभी की ख़बरें जड़ से शिखर तक

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा पर किया भरोसा, थानेसर से दी टिकट

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। कांग्रेस ने आखिरकार तीसरी सूची जारी कर दी है। यह सूची भी देर रात को जारी की। थानेसर से कांग्रेस ने एक बार फिर पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा पर भरोसा किया। दूसरी बार अरोड़ा पर दांव खेला है। टिकट की दौड़ में अरोड़ा ही आगे थे। उनकी टिकट लगभग पक्की मानी जा रही थी, तभी वे काफी समय से प्रचार में जुटे थे। कांग्रेस में थानेसर से उन्हें किसी दूसरे नेता से चुनौती नहीं थी। बता दें कि अशोक अरोड़ा की राजनीति लोकदल से शुरू हुई थी। वे लंबे समय तक इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे। करीब सवा 6 साल पहले इनेलो बिखरने के बाद अरोड़ा हजारों समर्थकों के साथ कांग्रेस में चले गए। यहां वे भूपेंद्र हुड्डा के नजदीकी हैं। अशोक अरोड़ा की गिनती कांग्रेस के मजबूत नेता के तौर पर होती है। थानेसर से रिकॉर्ड 4 बार विधायक बन चुके। टिकट की घोषणा के तुरंत बाद अशोक अरोड़ा के आवास पर कार्यकर्ता जुटने शुरू हो गए। कार्यकर्ताओं का जोश उत्साह देख अशोक अरोड़ा भी कार्यकर्ताओं संग नाचे। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते है। विशेष रूप से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का जिन्होंने मेरे ऊपर भरोसा जताया।

गन्नौर में जोरों-शोरों से प्रचार करने में जुटे देवेंद्र कादियान, राजपुर गांव पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

गन्नौर, एजेंसी। विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक माहौल पूरी तरह से गरमाया हुआ है। भाजपा और कांग्रेस की पहली लिस्ट के बाद जिन दावेदारों का नाम कटा है उसके बाद से हलचल ओर तेज हो गई। पार्टी दल बदलने का दौर भी शुरू हो गया है। कांग्रेस के नेता भाजपा में आ रहे हैं तो कहीं भाजपा नेता कांग्रेस पार्टी जॉइन कर रहे है, लेकिन जिस जगह अभी तक प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं हुई वहां दावेदार अपना प्रचार प्रसार कर रहे है। गन्नौर से भाजपा युवा नेता देवेंद्र कादियान जोर शोर से प्रचार कर रहे है। बता दें कि देवेंद्र कादियान आज गन्नौर के राजपुर गांव पहुंचें। जहां लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान देवेन्द्र कादियान ने कहा कि भाजपा का इतिहास उठा कर देख लो। यह वह पार्टी है जिसमें एक गरीब परिवार से बेटा आया और देश का नेतृत्व कर रहा है, चाहे बात मोदी की हो या फिर योगी या प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी की। कादियान ने कहा कि जिन्होंने पार्टी में रहकर पार्टी के साथ विश्वासघात किया। पार्टी के नेताओं को उनके बारे में पता है। जल्द ही उन पर करवाई होगी और जो लोग बोलते हैं कि हमने पैसे देकर टिकट खरीद ली, चुनाव के बाद उन लोगों पर ईडी की कार्रवाई होगी। वहीं लोगों से उन्होंने कहा कि जो पार्टी से नाराज है, वह अपने बेटे को देखे और जो बेटे से नाराज है, वह पार्टी के कार्यों को देखकर वोट करें।

दादा जी के सामने कैसे लडूंगा चुनाव, दिग्विजय बोले- ओपी चौटाला डबवाली से लड़े तो मैं नहीं लडूंगा

सिरसा, एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर गर्मागर्मी का माहौल है। अब जननायक जनता पार्टी के प्रधान महासचिव दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि अगर डबवाली से उनके दादा ओमप्रकाश चौटाला के चुनाव लड़ने की परिस्थिति बनती है तो वह इसका स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने दादा के सामने उनके सम्मान में डबवाली से चुनाव नहीं लड़ेंगे और न ही कभी उनके सामने चुनाव लड़ने की सोच सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर मैं नामांकन भर भी देता हूं तो मैं अपना नामांकन पत्र वापस ले लूंगा। बता दें कि दिग्विजय चौटाला लगातार डबवाली विधानसभा के गांव–गांव जाकर जनसभाओं को संबोधित कर रहे है तो जेजेपी के हित में वोट की अपील कर रहे है। उन्होंने गाँव ओढ़ां में जनसभा को सम्बोधन के दौरान कहा कि इनेलो वाले बात फैला रहे है कि डबवाली से ओम प्रकाश चौटाला चुनाव लड़ेंगे बल्कि दादा और अजय चौटाला पर चुनाव लड़ने पर अभी पाबंधी लगी हुई है फिर भी मैं मीडिया के सामने ऐलान करता हूँ कि यदि मेरे दादा ओमप्रकाश चौटाला चुनाव लड़ेंगे तो मैं उनके सामने नहीं लडूंगा फिर बल्कि खुलकर मदद करूँगा। साथ ही उन्होंने कहा कि 8 तारीख को आदित्य चौटाला इनैलो ज्वॉइन कर रहे है।

रुपेश हत्याकांड में दो आरोपी गिरफ्तार, डेढ़ माह पहले हुई कहासुनी की रंजिश में दिया था वारदात को अंजाम

सोनीपत, एजेंसी। सोनीपत जिले के गांव रेवली रजबहा के पास देवडू गांव के खेतों में कच्चे रास्ते पर युवक की शराब पिलाकर हत्या करने के मामले से पर्दा उठाते हुए क्राइम यूनिट सेक्टर–27 ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने करीब डेढ़ माह पहले हुई कहासुनी की रंजिश में वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस आरोपियों को आज अदालत में पेश कर रिमांड पर लेगी। मिली जानकारी के अनुसार विकास नगर गली नंबर–8 निवासी कोमल ने 6 सितंबर को पुलिस को बताया था उनके पति रुपेश 4 सितंबर को सुबह पांच बजे काम पर जाने के लिए घर से निकले थे। उसके बाद से वह वापस नहीं लौटे। शुक्रवार को उन्हें सूचना मिली थी कि रेवली रजबहा के पास देवडू के खेत में पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है। उसे नागरिक अस्पताल में रखवाया गया है। उन्होंने अस्पताल में पहुंचकर पति के शव की पहचान की थी। उसने आरोप लगाया था कि अज्ञात हमलावरों ने शराब पिलाकर उनके पति की हत्या की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। वहीं पुलिस प्रवक्ता रविंद्र कुमार ने बताया कि सोनीपत क्राइम यूनिट सेक्टर–27 की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विकास नगर निवासी सावन व सचिन है।

बीजेपी उम्मीदवार असीम गोयल ने दाखिल किया नामांकन, सीएम नायब सैनी रहे मौजूद

अंबाला, एजेंसी। हरियाणा के चुनावी रण में भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस से आगे बढ़ती हुई नजर आ रही है। जहां कांग्रेस पार्टी अभी तक टिकट बंटवारे के फेर में उलझी हुई है। वहीं आज से भाजपा के शीर्ष नेताओं ने नामांकन दाखिल करने भी शुरू कर दिए हैं।

बता दें कि आज अंबाला शहर से मौजूदा विधायक एवं भाजपा के प्रत्याशी असीम गोयल ने भी अपना नामांकन दाखिल किया। असीम गोयल का नामांकन दाखिल करवाने के लिए खुद हरियाणा के मुख्यमंत्री अंबाला शहर पहुंचे। जहां असीम गोयल के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होने के हजारों कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। अंबाला शहर पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का असीम गोयल ने पगड़ी पहनाकर, पार्षदों ने तलवार भेंट कर व भाजपा के अन्य नेताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सीएम का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

भारी तादाद में उमड़े जनसमूह को संबोधित करते हुए सीएम ने एक के बाद एक कर पूर्व की हुड्डा सरकार पर कई तंज कसे। जिसके बाद मुख्यमंत्री व हजारों की तादाद में उमड़ा जनसमूह असीम गोयल का नामांकन दाखिल करवाने के लिए एसडीएम कार्यालय के लिए रवाना हुए। जहां असीम गोयल ने सीएम की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर सीएम सैनी ने कहा कि अंबाला के विकास को नई गति देने का जो काम असीम गोयल ने किया है उसे और रफ्तार देने के लिए आज असीम गोयल ने नामांकन दाखिल किया है। सीएम ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि अंबाला की जनता आगामी 5 अक्तूबर को असीम गोयल को भारी मतों से विजयी बनाएगी।

वहीं नामांकन दाखिल करने के बाद भाजपा प्रत्याशी असीम गोयल ने कहा कि वे अंबाला की जनता के आभारी है, जिन्होंने इतना प्यार और समर्थन उन्हें दिया। 8 अक्टूबर को एक बार प्रदेश में कमल का फूल खिलेगा। इस बार भी विकास के मुद्दे को लेकर वे जनता के बीच जाएंगे और अंबाला में विकास की झड़ी लगेगी। अभी तक अंबाला में कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया। इसे लेकर असीम बोले कि कांग्रेस दबाव में है और अनेक 70 प्रत्याशी है जो सभी मुख्यमंत्री के उम्मीदवार है, अभी भी कांग्रेस ने कल 9 प्रतियाशियों की लिस्ट घोषित की और अभी भी कई प्रतियाशी घोषित करने बाकी है, इससे साफ दिखता है कांग्रेस हार रही है।

सीएम सैनी से मिलकर क्या मान गए सुभाष बराला, सांसद ने कार्यकर्ताओं को दे दिया बड़ा संदेश

टोहाना, एजेंसी। टोहाना में भाजपा प्रत्याशी पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने शनिवार को नामांकन भरा। इससे पहले उन्होंने सभा की और बाद में सीएम सैनी के साथ रोड शो करते हुए चुनाव कार्यालय पहुंचे। इस दौरान राज्यसभा सांसद सुभाष बराला न तो सभा में पहुंचे और न ही बबली के नामांकन के मौके पर हाजिर रहे। देवेंद्र बबली का नामांकन जमा कराने के बाद सीएम नायब सिंह सैनी सांसद सुभाष बराला के आवास पर पहुंचे। बराला व उनके समर्थकों ने सीएम का जोरदार स्वागत किया।

सीएम नायब सैनी से मुलाकात के बाद बराला सामने आए और उन्होंने कार्यकर्ताओं को भाजपा के लिए काम करने की बात कही। सीएम से मुलाकात के बाद बराला ने कार्यकर्ताओ को अटल जी की कविता के माध्यम से कार्यकर्ताओं को भाजपा को मजबूत करने की बात कही। बराला ने कहा कि कुछ लोगों ने उकसाने का प्रयास किया.. लेकिन कार्यकर्ताओ ने धैर्य बनाए रखा.. आगे भी धैर्य रखते हुए भाजपा को मजबूत करना है। अब आखिर में यक्ष प्रश्न क्या सीएम सैनी के मनाने के बाद सुभाष बराला मान गए।

टिकट देना पार्टी आलाकमान के हाथ में, राजेश जून पर विधायक राजेंद्र सिंह जून का पलटवार

बहादुरगढ़, एजेंसी। बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरे राजेश जून पर विधायक राजेंद्र सिंह जून ने निशाना साधा है। बहादुरगढ़ से तीन बार विधायक रहे राजेंद्र सिंह जून को कांग्रेस पार्टी ने फिर से अपना उम्मीदवार बनाया है।

राजेंद्र सिंह जून का कहना है कि पार्टी पहले से किसी को यह नहीं कहती कि टिकट आपका है। राजेश जून लोगों की सिंपैथी हासिल करने के लिए यह कह रहे हैं कि उनके साथ धोखा हुआ है। टिकट देना पार्टी आलाकमान के हाथ में है। उनका कहना है कि पार्टी आलाकमान ने मेरी साफ छवि और कर्मठता को देखते हुए एक बार फिर से भरोसा जताया है। जिस पर वे खरे उतरेंगे। कांग्रेस की टिकट मिलने पर बहादुरगढ़ पहुंचे राजेंद्र जून का समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया।

राजेंद्र जून का कहना है कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार नहीं होने के बावजूद भी उन्होंने बहादुरगढ़ क्षेत्र में विकास कार्य करवाए हैं। राजेंद्र सिंह जून ने बताया कि पिछले 10 साल के भाजपा सरकार के काल में बहादुरगढ़ में विकास कार्य नहीं हुए, लेकिन अब एक बार फिर से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस की सरकार बनने के बाद बहादुरगढ़ में फिर से विकास कार्यों की झड़ी लगने जा रही है।

आपको बता दें कि कांग्रेस उम्मीदवार राजेंद्र सिंह जून बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे हैं। उनके पिता सूरजमल भी बहादुरगढ़ से विधायक रह चुके हैं। यह राजेंद्र सिंह जून का पांचवा चुनाव है। टिकट नहीं मिलने के कारण कांग्रेस नेता राजेश जून ने पार्टी छोड़कर निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनावी ताल ठोक दी है। ऐसे में राजेंद्र सिंह जून को लोगों का कितना समर्थन मिल पाता है यह देखने वाली बात होगी।

दोनों दलों के अंदर भय है, दोनों भ्रष्ट, कांग्रेस-आप गठबंधन पर सीएम सैनी का बड़ा दावा

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल काफी बढ़ी हुई है। प्रदेश में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन को लेकर अभी भी तस्वीर पूरी तरह से साफ नहीं हुई है। इस बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आप-कांग्रेस अलायंस को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दोनों विरोधी पार्टियों पर तंज कसते हुए उन्हें भ्रष्टाचारी करार दिया है।

मुख्यमंत्री सैनी ने आगे कहा, हरियाणा की जनता ने तय कर लिया है चाहे कांग्रेस एक गठबंधन करे, चाहे वह दस गठबंधन करे कांग्रेस का सूपड़ा साफ होने वाला है हरियाणा में बीजेपी की सरकार तीसरी बार बड़ी बहुमत से बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों पार्टियां लोगों को बरगला कर के अपना उल्लू सीधा करना चाहती है। अब लोग समझ चुके हैं कि इनके नेतृत्व में विकास नहीं सिर्फ विनाश हो सकता है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि 14 तारीख को कुरुक्षेत्र में प्रधानमंत्री की रैली होनी है।

वहीं सैनी ने पहलवान और कांग्रेस नेता बजरंग पूनिया को जान से मारने की मिली धमकी को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि अगर उन्हें ऐसी कोई धमकी आई है तो हम उस पर कार्रवाई करेंगे। बजरंग पूनिया को विदेशी नंबर से उन्हें व्हाट्सऐप पर धमकी भरा मैसेज आया था, जिसके बाद उन्होंने इसकी शिकायत सोनीपत के बहालगढ़ थाने में की है। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है।

हरियाणा चुनाव के पहले 'आप' को बड़ा झटका, आप के जिला अध्यक्ष रंजीत उप्पल भाजपा में हुए शामिल

पंचकूला, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है। पंचकूला में आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष रंजीत उप्पल ने आज भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराते समय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा मौजूद थे।

बता दें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के संदर्भ में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की संभावनाओं पर चर्चा चल रही है। हालांकि इस संबंध में अभी तक किसी भी पार्टी द्वारा आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन दोनों पार्टियों के बीच यह विषय चर्चा का केन्द्र बना हुआ है। माना जा रहा है कि आज इस पर कोई आधिकारिक ऐलान हो सकता है।

कैथल से पार्षद रामफल सैनी बने लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के प्रत्याशी, भाजपा के लीलाराम को लगा झटका

कैथल, एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव पूरे उफान पर है, लेकिन कैथल में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है। जहां अब तक कांग्रेस के नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला भाजपा को झटके पर झटके दे रहे है। वहीं टिकट कटने को लेकर भाजपा में बगावत के सुर देखने को मिल रहे है, बीजेपी के नेता पार्टी को अलविदा कह रहे हैं। अब बीजेपी पार्षद रामफल सैनी ने पार्टी को अलविदा कहकर प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया।

वहीं कैथल में भी लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के सुप्रीमो राजकुमार सैनी ने बीजेपी का खेल बिगाड़ने के लिए कमर कस ली है। कैथल नगर परिषद के पार्षद रामफल सैनी को कैथल विधानसभा से प्रत्याशी बनाया है जो 18 हज़ार सैनी वोट बैंक को अपनी ओर कर बीजेपी को भारी नुकसान पहुंचाने का काम करेगा। इस बारे में जब कैथल विधान सभा से एल एस पी प्रत्याशी रामफल सैनी से बात की गई तो उन्होंने भाजपा पार्टी की पोल खोलकर रख दी और कैथल नगर परिषद् में भ्रष्टाचार को लेकर आरोप भी लगाए। लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के सुप्रीमों राजकुमार सैनी जिन पार्षदों पर दांव खेल रहे है वो गढ़ भाजपा का रहा है, जिससे भाजपा के लीला राम को कैथल में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

बंसीलाल और भजनलाल के वारिसों पर भाजपा का भरोसा बढ़ा, देवीलाल परिवार का जादू हुआ कम

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में भाजपा ने लोकसभा चुनाव से सबक लेते विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति बदली है। अभी तक पूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल के परिवार को तरजीह देती आ रही पार्टी ने अब पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल और पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल के परिवारों पर ज्यादा भरोसा दिखाया है।

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुईं बंसी लाल की पुत्रवधू किरण चौधरी को राज्यसभा भेज चुकी पार्टी ने अब पूर्व सांसद श्रुति चौधरी को तोशाम विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है।

इसी तरह, स्वर्गीय भजन लाल के पौत्र भव्य बिश्नोई को न केवल आदमपुर और भतीजे दुड़ाराम बिश्नोई को फतेहाबाद से दोबारा चुनावी रण में उतारा है। कुलदीप बिश्नोई के नजदीकियों में शामिल रणधीर पनिहार को नलवा, मनमोहन भड़ाना को समालखा और रणबीर गंगवा को बरवाला से टिकट दिया है।इसके उलट, रानियां से दावेदार देवीलाल के पुत्र रणजीत चौटाला का टिकट काट दिया है। उधर, डबवाली में देवीलाल के पौत्र आदित्य पर संकट मंडरा रहा है। टिकट कटने के पूर्वाभास पर मार्केटिंग बोर्ड का चेयरमैन पद छोड़ आदित्य अब इनेलो के संपर्क में हैं।

वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद बहुमत के जादुई आंकड़े से चूकी भाजपा की सरकार बनवाने में चौटाला परिवार ने अहम भूमिका निभाई थी। रानियां से निर्दलीय विधायक बने रणजीत सिंह चौटाला ने न केवल सबसे पहले अपना समर्थन भाजपा को दिया, बल्कि पांच अन्य निर्दलीय विधायकों को भी अपने साथ लाकर सरकार गठन का रास्ता साफ कर दिया।इसके अलावा दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी से गठबंधन में अहम भूमिका निभाई। भाजपा ने रणजीत चौटाला को कैबिनेट मंत्री तो बनाया ही, लोकसभा चुनाव में भी कुलदीप बिश्नोई की दावेदारी को दरकिनार कर उन्हें हिसार में प्रत्याशी बना दिया। नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं आए। इसके बाद चौटाला परिवार के नुमाइंदों से भाजपा का भरोसा कम होता चला गया।

हादसे में घायल नितेश ने नहीं मानी हार, बैडमिंटन खिलाड़ी ने पैरालंपिक में जीता स्वर्ण

बहादुरगढ़, एजेंसी। पैरालम्पिक में देश की शान बढ़ाने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार का एच एल सिटी में जोरदार स्वागत किया गया। एच एल सिटी की शाईनिंग स्टार बैडमिंटन एकेडमी में ही नितेश कुमार ट्रेनिंग लेते हैं और एनसीआर वन सोसायटी में रहते हैं। पहली बार अपनी एकेडमी में पहुंचे नितेश का साथी खिलाड़ियों, कोच और एकेडमी संचालकों ने जोरदार स्वागत किया। खिलाड़ियों ने तालियां बजाकर, फूलमाला पहना और मिठाई खिलाकर नितेश का स्वागत किया। नितेश की उपलब्धि से बेहद खुश एच एल सिटी के निदेशक राकेश जून ने एकेडमी के सैंकड़ों खिलाड़ियों की एक महीने की करीबन 37 लाख रूपए की फीस माफ कर दी। उन्होंने कहा कि नितेश कुमार पर पूरे देश को नाज है और उनकी उपलब्धि से प्रभावित होकर एकेडमी के खिलाड़ी देश के लिए पदकों की झड़ी लगा देंगे।

2009 में हुए एक सड़क हादसे में नितेश घायल हो गए थे, लेकिन इसके बावजूद नितेश ने कभी हौंसला नहीं हारा और लगातार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर देश के लिए मेंडल बटोरते रहे। नितेश ने पैरालम्पिक के फाइनल मैच में ब्रिटेन के डैनियल को हराकर गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने शाईनिंग स्टार एकेडमी की निदेशिका शैलजा जून का आभार भी प्रकट किया और कहा कि उन्होंने हमेशा उन्हे मोटिवेट किया है। नितेश ने साथी खिलाड़ियों को कहा कि उन्हें अपना खेल इन्जाय करना चाहिए, तभी वह अपने खेल को लग्न और मन से खेलेंगे जिसके बाद सफलता निश्चित तौर पर हासिल होगी। नितेश कुमार ने भारत सरकार की टॉप्स स्कीम को भी खिलाड़ियों के लिए बेहद खास बताया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों का हर स्तर पर हौसला बढ़ाया है।

टिकट मिलने के बाद पहली बार ससुराल पहुंची विनेश फोगाट, कही ये बड़ी बात

जुलाना, एजेंसी। कांग्रेस में शामिल हुई ओलंपिक खिलाड़ी विनेश फोगाट टिकट मिलने के बाद पहली बार अपने ससुराल जुलाना विधानसभा क्षेत्र के गांव भक्त खेड़ा पहुंची। इस दौरान उनका जींद जिले की सीमा से ही भव्य स्वागत किया गया तथा गांव में खाप की ओर से सामूहिक स्वागत किया गया। गांव के बाहर एक भव्य मंच का निर्माण किया गया था जिस पर खाप प्रतिदिनिधियों के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी के नेता भी मौजूद रहे। सभी ने अपने क्षेत्र की बहू और बेटी का मान सम्मान किया।

बता दें कि विनेश 6 सितंबर को ही कांग्रेस में शामिल हुई हैं। कांग्रेस ने उन्हें जींद जिले की जुलाना विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। विनेश फोगाट भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष भाजपा नेता बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों से जुड़े आंदोलन की अगुआई करने वालों में शामिल थीं। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी व ओलंपिक खिलाड़ी विनेश फोगाट राठी ने कहा कि जो मान-सम्मान मुझे दिया जा रहा है, वह बहुत बड़ा है। मैंने बचपन से ही खिलाड़ी के तौर पर देखा है अब मैं राजनीति की ओर आ रही हूं। मेरा हमेशा से ही गांव में ही रहने का विचार रहा है और मुझे गांव की धरती पसंद है। मैं शादी करके गांव में पहुंची, तब भी मुझे लोगों ने कहा था कि आप बड़े होटलों में शादी कर सकते थे, लेकिन मैं गांव की मिट्टी से जुड़ी हुई और गांव में रहकर ही अपना जीवन यापन करना चाहती हूं। मैं यह सब इसलिए नहीं कह रही कि मैं राजनीति में आकर इलेक्शन लड़ रही हूं, बल्कि मेरा निजी विचार है कि मैं गांव की धरती पर रहकर गांव में रहूं और अब मैं आपका साथ और स्पोर्ट चाहती हूं। मैं इस लड़ाई में विश्वास के साथ जीत पाऊं और आपसे वादा करती हूं कि आपकी बेटी और बहू आपके बीच में ही रहूंगी। विनेश फोगाट ने कहा कि मैं अब जो बाहर गई थी, शादी के बाद वह मेरी मजबूरी थी क्योंकि इस क्षेत्र में रेसलिंग की तैयारी के लिए कोई अच्छा स्थान नहीं था जिसके कारण मुझे बाहर जाना पड़ा। यह मेरा ससुराल भी है और मायका भी, इसलिए जो मान-सम्मान आप लोगों ने दिया। उसका मैं बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं। मैं ओलंपिक में जाकर वह मुकाम हासिल नहीं कर पाई, इसकी भरपाई तो नहीं कर सकती लेकिन अगर कोई भी जींद की बेटी वहां तक पहुंची तो उसके लिए बड़ी खुशी होगी। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, खड़गे जी और दीपेंद्र हुड्डा का बहुत-बहुत धन्यवाद किया जिन्होंने उन पर विश्वास किया और पार्टी की जिम्मेदारी दी।

सोफिया अंसारी ब्लैक ड्रेस में करती हैं हुस्न का काला जादू

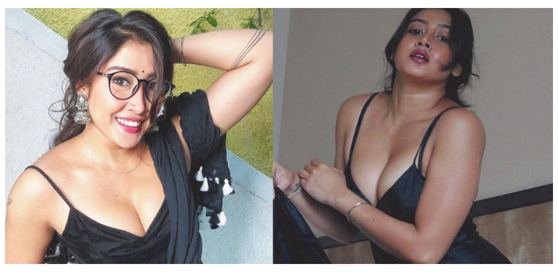

सोफिया अंसारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनके फोटोज और वीडियोज अक्सर वायरल होते रहते हैं। सोफिया अंसारी अपने हद से ज्यादा सिजलिंग फोटोशूट की तस्वीरें शेयर करने में बिल्कुल भी नहीं झिझकती हैं। सोफिया अंसारी के तमाम चाहने वाले फैंस उनकी झलक देखने के लिए बेकरार रहते हैं। जिसके चलते सोफिया अंसारी की तस्वीरें आते ही तेजी से वायरल हो जाते हैं। यहां पर सोफिया अंसारी की ब्लैक आउटफिट वाली फोटोज हैं जिन्हें देखकर फैंस आहें भरने वाले हैं।

जिगरा में एंग्री यंग वुमन बनीं आलिया

निर्देशक वासन बाला की नई क्राइम थ्रिलर जिगरा का टीजर जारी कर दिया गया है। इसमें एंग्री यंग वुमन बनी आलिया भट्ट नजर आ रही हैं। जिगरा का पहला टीजर रविवार को रिलीज किया गया और इसने नेटिजन्स को खूब प्रभावित किया है। टीजर की शुरुआत एक भावुक सीन से होती है, जहां आलिया का बैकग्राउंड दिखाया जाता है कि किस तरह वो माता-पिता के बिना बड़ी हुईं। वो अपने संघर्षों के बारे में बताती हैं।

आलिया यह जानकर टूट जाती है कि उसका एकमात्र परिवार, उसका भाई वेदांग रैना जेल में बंद है। जैसे-जैसे टीजर आगे बढ़ता है ये देखना को मिलता है कि आलिया उसे छुड़ाने के लिए क्या-क्या करती है।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 ने रिलीज से पहले रचा इतिहास

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 का टीजर रिलीज होने के बाद से ही सुर्खियों में है। हाल ही में यह भी बताया गया कि अनिल थडानी ने मोस्ट अवेटेड सुकुमार निर्देशित पुष्पा 2 धमाकेदार सक्सेस के बाद फैंस को फिल्म के दूसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच पुष्पा 2: द रूल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अल्लू अर्जुन की फिल्म ने सिनेमाघरों में रिलीज से पहले ही करोड़ों की कमाई कर ली है। इस ब्लॉकबस्टर मूवी ने अपने बजट का आधा पैसा कमा लिया है। फिल्म पुष्पा 2 के पहले पार्ट का क्रेज आज भी लोगों के बीच देखने को मिल रहा है।

पुष्पा 2 बनी ओटीटी की सबसे मंहगी फिल्म

अल्लू अर्जुन का एक बार फिर से पुष्पा 2 में दमादार अंदाज और रश्मिका की क्यूटनेस देखने को मिलने वाली है। उनके अलावा आईपीएस भंवर सिंह शेखावत के रोल में फहद फासिल भी खतरनाक अंदाज में नजर आने वाले हैं।

इटली के जैनिक सिनर ने जीता यूएस ओपन

अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को 6-3, 6-4, 7-5 से हराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर यूएस ओपन का मेंस सिंगल्स टाइटल जीत लिया है। इटैलियन स्टार ने अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को 6-3, 6-4, 7-5 से हराया। वे साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम जीतने वाले इटली के पहले पुरुष खिलाड़ी बने हैं। वे ओवरऑल दूसरे खिलाड़ी बने हैं। साल 2015 में फ्लाविया पैनेटा ने विमेंस सिंगल्स का टाइटल जीता था। 23 साल के सिनर ने करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम टाइटल जीता है। उन्होंने साल 2024 की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ओपन भी जीता था। सिनर के लिए यह साल शानदार रहा। सिनर ने जीत के बाद ङ्क पर लिखा- शुक्रिया न्यूयॉर्क, 2 हफ्तों के शानदार प्रदर्शन के बाद यहां अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम जीतना विशेष रहा। समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद। आपका सपोर्ट बहुत मायने रखता है। मुझे यह खेल बहुत पसंद है। यह मेरे लिए सब कुछ है। साल के आखिर में काम पर वापस जाने से पहले अपनी टीम और अपने परिवार के साथ इस पल का आनंद लेने का समय आ गया है। काम कभी नहीं रुकता है, हम सभी आगे बढ़ते रहते हैं। 2 घंटे से ज्यादा चला मुकाबला न्यूयॉर्क में रविवार देर रात शुरु हुआ फाइनल मुकाबला 2 घंटे 16 मिनट तक चला। इसमें टॉप सीड सिनर का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने पहले सेट को 6-3 से जीता। फिर दूसरे सेट को 6-4 से जीतते हुए बढ़त बनाई और आखिरी सेट को 7-5 से जीतते हुए मैच अपने नाम किया। 18 साल बाद फाइनल पहुंचा था अमेरिकी खिलाड़ी दूसरी ओर अमेरिका के टेलर फ्रिट्स पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतने से चूक गए। 18 साल बाद कोई अमेरिका का खिलाड़ी यूएस ओपन में मेंस सिंगल्स के फाइनल में पहुंचा था। उनसे पहले 2006 में एंडी रॉडिक ने यह कारनामा किया था।

फ्रिट्ज के पास पहला ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका था, लेकिन वे कामयाब नहीं पाए। साल 2003 के बाद से यूएस ओपन पुरुष सिंगल्स में अमेरिका का कोई खिलाड़ी खिताब को जीत नहीं पाया है। 10 लाख फैंस यूएस ओपन देखने पहुंच इस बार यूएस ओपन को देखने के लिए 10 लाख से ज्यादा फैंस मैच देखने स्टेडियम पहुंचे। फाइनल मैच के बाद यूएस ओपन के आयोजकों ने एक पोस्ट के जरिए बताया कि यूएस ओपन में मैदान पर मैच देखने वाले फैंस की संख्या 10 लाख का आंकड़ा पार कर गई है। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में मैच देखने पहुंचे हैं।

6 मुक्केबाज दीपाली थापा बनीं पहली एशियाई स्कूली चैंपियन छात्रा, भारत ने जीते सात खिताब

नईदिल्ली, एजेंसी। इस खिताब को जीतने के बाद दीपाली पहली स्कूली चैंपियन छात्रा बनीं। अब भारत के नाम एशियाई चैंपियनशिप में सात महिला खिताब हो गए हैं। दीपाली के अलावा भूमि ने 35 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की एस्सेल जालिमबेकोवा को हराकर जीत हासिल की। भारत ने रविवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अल ऐन में चल रही एशियाई चैंपियनशिप में सात महिला खिताब जीते। युवा मुक्केबाज दीपाली थापा ने 33 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की एनेलीया ऑर्डाबेक को हराया और फाइनल में यूक्रेन की लियुडमिला वासिलचेंको पर हावी होकर खिताब जीतने के लिए बेहतर तकनीक और नियंत्रण का प्रदर्शन किया। इस खिताब को जीतने के बाद दीपाली पहली स्कूली चैंपियन छात्रा बनीं। अब भारत के नाम एशियाई चैंपियनशिप में सात महिला खिताब हो गए हैं। दीपाली के अलावा भूमि ने 35 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की एस्सेल जालिमबेकोवा को हराकर जीत हासिल की। वहीं, निश्चल शर्मा ने यूक्रेन की मारिया मत्सिउरा पर रणनीतिक जीत के साथ 37 किग्रा वर्ग में भारत की तालिका में इजाफा किया। राखी ने 43 किग्रा वर्ग में यूक्रेन की वेरोनिका होलब को हराकर भारत को चौथी जीत दिलाई।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए हुआ टीम इंडिया का ऐलान, पंत-राहुल की हुई वापसी

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ भारत को दो मैच की घरेलू टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है। इसकी शुरुआत 19 सितंबर से चेन्नई में होगी। इस टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 8 सितंबर की रात टीम इंडिया का ऐलान किया गया। भारतीय टेस्ट टीम में 21 महीने बाद ऋषभ पंत की वापसी हुई। केएल राहुल को भी टीम का हिस्सा बनाया गया। रोहित शर्मा की कप्तानी में 16 सदस्यीय भारतीय टीम में सरफराज खान का भी नाम है। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले टेस्ट सीरीज के लिए विराट कोहली की भी भारतीय टीम में वापसी हुई है जो इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा व्यक्तिगत कारणों से नहीं थे। इस टीम में ऋषभ पंत बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज शामिल किए गए हैं जबकि बैकअप विकेटकीपर के रूप में ध्रुव जुरैल को टीम का हिस्सा बनाया गया है। रजत पाटीदार को टीम से बाहर कर दिया गया है।

रुस्तम-ए-हिन्द मीडिया हॉउस

प्रिन्ट-इलेक्ट्रॉनिक-सोशल मीडिया का प्रेक्टिकल कार्य
वीडियो-स्टिल कैमरा ऑपरेटिंग सीखने
विडिओ स्क्रिप्टिंग, विडिओ-एंकरिंग
विडिओ-एडीटिंग और इर्म्प्रेटिस के लिए
और प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें।
9873337209, 9213247209.

REH NEWS रुस्तम-ए-हिन्द
हिन्दी न्यूज़ मीडिया समूह को आवश्यकता है।
- मेल या फीमेल
- 4. अनुभवी मार्केटिंग एग्ज्यूकेटिव
- 2. वीडियो एडिटर
- 3. एंकर न्यूज़ रीडर
- संपर्क करें।
- www.rehnews.com
- https://rustamehindhindiwebnewstvchannel.blogspot.com
- https://www.facebook.com/rustamehindhindinews
- https://www.instagram.com/charanjeetsingh_23
- https://x.com/RustamehindNews
- https://www.linkedin.com/in/rustamehindnews
- 9783337209, 9213247209.

ब्रैंडन मैकुलम बने तीनों फार्मेट में कोच, जोस बटलर को दिलाएंगे आनंद: मोइन

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाले हरफनमौला खिलाड़ी मोइन अली का मानना है कि ब्रेंडन मैकुलम सफेद गेंद के लिए सही व्यक्ति हैं। मैथ्यू मॉट के बाहर जाने के बाद मैकुलम को इस भूमिका के लिए चुना गया था। वह अगले साल से इंग्लैंड के सभी प्रारूपों के कोच का कार्यभार संभालेंगे। मोईन ने इस पर कहा कि मैकुलम अगर कोच बनेंगे तो इससे जोस बटलर को मदद मिलेगी। मोईन ने कहा कि जोस के पास बहुत कुछ है – कप्तान, कीपर, हमारा सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज। मैकुलम उसे थोड़ा और आनंद दिला सकता है। वह जोस बटलर के लिए महत्वपूर्ण है। यह पूछे जाने पर कि अगर मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में उन्होंने अधिक टेस्ट क्रिकेट खेला होता तो क्या वह सफल होते, मोइन ने जवाब दिया– निश्चित रूप से। एक समय था, जब मैंने पहली बार 2021 में टेस्ट से संन्यास लिया था। मैं जिस तरह से खेल रहा था मुझे आनंद नहीं आ रहा था। यह उतना मज़ेदार नहीं था। मुझे हमेशा नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने में मजा नहीं आया। मुझे लगा कि मैं अपनी बल्लेबाजी बर्बाद कर रहा हूं।

ईस्ट दिल्ली राइडर्स बनी चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग के पहले सीजन का खिताब ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने अपने नाम कर लिया है. हिम्मत सिंह की कप्तानी वाली टीम ने रविवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली सुपर स्टार्स को 3 रन से हरा दिया. 184 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही साउथ दिल्ली की टीम अंतिम दो गेंदों पर चार रन नहीं बना पाई और वो खिताब जीतने से चूक गई.

सचदेवा प्रॉपर्टी बिल्डर कोलोब्रेशन

दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर-प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ महाराष्ट्रा, पंजाब, फ्लैट, फ्लैट, कोठी, फार्म हाउस, गोदाम, कृषि भूमि, कोलोब्रेशन किराये पर लेने-देने, खरीदने-बेचने, डीडीए, नगर-निगम, डूसू की सलाह के लिए सम्पर्क करें।
9873337209, 9213247209.

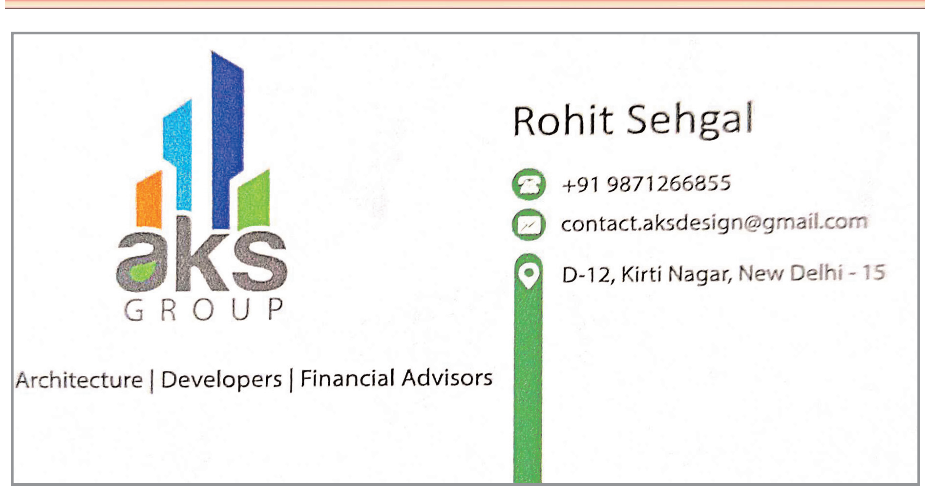

रुस्तम-ए-हिन्द हिंदी दैनिक RNI. NO. DELHIN/2000/4849, स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक सरदार चरणजीत सिंह एफ 308 दया बस्ती, शहजादा बाग, दिल्ली से मुद्रित कर ए 59 दिलीप विहार, निलोठी विस्तार, नई दिल्ली 41 से प्रकाशित। पत्राचार के लिए बी 186, शिवजी विहार, सेकेण्ड फ्लोर, नई दिल्ली 27 में सम्पर्क करें।